हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 46 ● भिलाई, शुक्रवार 04 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सैकड़ों सांपों की जान बचाने वाले 'सर्पबंधु' की सर्पदंश से मौत

मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में सैकड़ों सांपों की जान बचाने और लोगों को सर्पदंश के खतरे से जागरूक करने वाले 54 वर्षीय तपन सिंह की सांप के डसने से दर्दनाक मौत हो गई। मेदिनीपुर सदर प्रखंड के कुकुरमुड़ी इलाके में हुई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोग तपन सिंह को सम्मानपूर्वक 'सर्पबंधु' के नाम से जानते थे। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम कुकुरमुड़ी इलाके के एक घर में सांप घुसने की सूचना मिलने पर तपन सिंह वहां पहुंचे। उन्होंने मौके से एक सांप को सुरक्षित पकड़कर बाहर निकाल दिया। कुछ देर बाद उसी स्थान पर एक और सांप दिखाई देने की सूचना मिली। इसके बाद तपन दोबारा वहां पहुंचे। इस बार उन्होंने एक बड़े आकार के खरिश सांप को देखा।

बार डांसर गैंगरेप केस में महिला आरोपी को उम्रकैद

कूचबिहार। वर्ष 2023 के बहुचर्चित बार डांसर अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म मामले में कूचबिहार जिला अदालत ने मंगलवार देर शाम एक ऐतिहासिक और सख्त फैसला सुनाया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द्वितीय अदालत) मंदाकांता साहा की अदालत ने मामले में मुख्य आरोपी की मां सरला धर को अपराध में सहयोग देने व साक्ष्य मिटाने के जुर्म में 20 साल के सश्रम कारावास और सह-आरोपी राखी राय को उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों दोषियों पर कुल 1 लाख 52 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसके अलावा, अदालत ने पीड़िता के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का स्पष्ट निर्देश दिया है। अभियोजन पक्ष (सरकारी अधिवक्ता शिवेंद्रनाथ राय) के अनुसार, घटना जनवरी 2023 की है। 17 जनवरी 2023 को नदिया जिले के रानाघाट की रहने वाली पेशेवर बार डांसर युवती को लाटागुड़ी के एक रिसॉर्ट में डांस शो का झांसा देकर सिलीगुड़ी से कार में बैठाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने 20 साल बाद तलाक मंजूर किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने करीब दो दशक पुरानी शादी को खत्म करते हुए कहा कि लंबे समय से अलग रह रहे दंपती को केवल इस आधार पर वैवाहिक संबंध बनाए रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि एक पक्ष वैवाहिक जिम्मेदारियां निभाने के लिए तैयार है। न्यायालय ने कहा कि केवल बयान में वैवाहिक दायित्व निभाने की इच्छा जताना पर्याप्त नहीं है, खासकर तब जब संबंधित पक्ष का व्यवहार इसके विपरीत दिखाई देता हो। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि इस मामले में महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि पति-पत्नी लंबे समय से अलग रह रहे हैं। दोनों पक्ष 15 दिसंबर 2005 से अलग रह रहे थे। विवाह से कोई संतान भी नहीं हुई और दोनों के बीच सुलह कराने की बार-बार की गई।

एमओयू साइन करने के बाद बोले पीएम मोदी

जोरावर टैंक से बढ़ेगा भारत-बेल्जियम का रिश्ता, डील हुई पक्की

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बेल्जियम के उनके समकक्ष बार्ट डी वेवर के बीच व्यापक बातचीत के बाद भारत और बेल्जियम ने बृहस्पतिवार को व्यापार, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अपने सहयोग को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने पर सहमति जताई। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में पिछली तिमाही में भारत द्वारा 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज किए जाने का उल्लेख किया और कहा कि देश की आर्थिक प्रगति दुनिया के लिए विश्वास और नये अवसरों का स्रोत है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने को एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि भारत और बेल्जियम ऐसे संबंध बना रहे हैं, जो व्यापक हैं और पहले की तुलना में कहीं अधिक रणनीतिक हैं। मोदी ने कहा, आज दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं। भोजन, ईंधन या आपूर्ति शृंखलाओं को लेकर अनिश्चितता हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा, इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है। पिछली तिमाही में हमने 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास गाथा दुनिया के लिए विश्वास और नये अवसरों का स्रोत बन रही है। मोदी ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों का

समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से किये जाने की एक बार फिर वकालत की। उन्होंने कहा, भारत और बेल्जियम दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में भरोसा रखते हैं। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्षों को जल्द समाप्त करने और शांति स्थापित करने के सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और बेल्जियम आतंकवाद के हर रूप को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोदी ने उच्च प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्राथमिकताओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, स्वच्छ ऊर्जा का भविष्य और विश्वसनीय आपूर्ति शृंखला हमारी साझा प्राथमिकताएं हैं। आज नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) हमारे सतत विकास संबंधी सहयोग को नयी गति देगा। उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में हमने प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में बेल्जियम की विशेषज्ञता और भारत की व्यापक क्षमता एक-दूसरे की पूरक हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की भारत की पहली यात्रा है, लेकिन भारत के साथ उनका जुड़ाव काफी पुराना रहा है। एंटवर्प के लंबे समय तक मेयर रहे डी वेवर ने वहां बसे बड़े भारतीय समुदाय के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे हैं।

आतंकवाद को जड़ से खत्म करेंगे-पीएम मोदी

भारत-बेल्जियम के बीच आज कई समझौते हुए। समझौते के बाद दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने साझा प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, रक्षा और सुरक्षा सहयोग हमारे संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ है और आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्षों को जल्द खत्म करने और शांति लाने की सभी कोशिशों का समर्थन करते हैं। उन्होंने वैश्विक संघर्षों पर भारत की लंबे समय से चली आ रही नीति को दोहराया। उनकी यह बात ऐसे अहम समय पर आई है जब दुनिया तीन बड़े संघर्षों का सामना कर रही है।

राघव चड्ढा का वोटर लिस्ट से नाम कटा

जब से आप छोड़ी है पार्टी बौखलाई हुई है

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी यानी आप से अलग होकर बीजेपी में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का वोटर लिस्ट से नाम कट गया है। पंजाब एसआईआर में बीजेपी सांसद संग ही 'खेला' हो गया और उनका नाम काट दिया गया है। चुनाव आयोग की तरफसे जारी पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम के आगे Permanently Shifted लिखा गया है। वोटर लिस्ट से नाम कटने पर बीजेपी सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। राघव चड्ढा ने पंजाब सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। साथ ही आप

सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची उसकी प्राइवेट प्रॉपर्टी नहीं है। चड्ढा ने कहा कि जब से आप छोड़ी है, पार्टी बौखलाई हुई है। इसे महज क्लैरिकल मिस्टेक मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह राजनीतिक बदले की कार्रवाई का साफमामला है।

छत्तीसगढ़ में बढ़े स्वाइन फ्लू के मरीज

जिला अस्पताल में बनाया गया 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड

दुर्ग। जिले में स्वाइन फ्लू का मामला तेजी से बढ़ने लगा है। बढ़ते मरीजों को देखते हुए जिला अस्पताल दुर्ग में 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। इसके अलावा जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा सिविल अस्पताल सुपेला में भी यह सुविधा होगी। पिछले 28 दिनों में जिले कुल 17 स्वाइन फ्लू धनात्मक प्रकरण मिले है। वर्तमान में में दुर्ग जिले में कुल 9 एक्टिव मरीज है। जिनका विभिन्न

अस्पतालों में चिकित्सकीय उपचार चल रहा है जिनकी स्थिति अभी सामान्य है। ये मरीज सेक्टर 9 भिलाई, बीएम शाह, हाईटेक हॉस्पिटल व सुयश अस्पताल रायपुर में 1-1, रामकृष्ण हॉस्पिटल रायपुर में 3 मरीज का उपचार चल रहा है। वहीं 2 मरीज होम आइसोलेटेड है। 8 मरीजों को उपचार के बाद डिस्चार्ज किया गया है। जिले में स्वाइन फ्लू के संबंध में कलेक्टर के निर्देशानुसार डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग, डॉ. सीबीएस बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, आईडीएसपी एवं भूमिका वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एनएचएम, दुर्ग के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। जिले में नए धनात्मक प्रकरण मिलने पर लगातार कांटेक्ट ट्रेसिंग की रही है। उसकी नियमित मोनिटरिंग हो रही है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के 152 और कोरोना के 2 केस: हेल्थ मिनिस्टर जायसवाल बोले- पैनिक होने की जरूरत नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू और कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। इसको लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि पैनिक होने की जरूरत नहीं हैं। जिला अस्पताल मेकाहारा में जांच की पूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्वाइन फ्लू के अब तक 152 मरीज सामने आए हैं, जिनमें 114 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 38 मरीज एक्टिव हैं। वहीं कोरोना के भी दो मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। कोरोना से निपटने के लिए पहले लगे डोज़ेस की वजह से शरीर में पर्याप्त इम्यून पॉवर बनी हुई है। जिला अस्पताल मेकाहारा में जांच की पूरी व्यवस्था की गई है।

अर्ली रिटायरमेंट का ऐलान

अभिनंदन की नई उड़ान...फाइटर जेट नहीं, उड़ाएंगे यात्री विमान.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय वायुसेना के पूर्व ग्रुप कैप्टन और वीर चक्र विजेता अभिनंदन वर्धमान ने इंडियन एयरफोर्स छोड़ दी है। अभिनंदन वर्धमान रिटायरमेंट लेकर प्राइवेट एयरलाइन जॉइन कर ली है। भारतीय वायुसेना के पूर्व ग्रुप कैप्टन अब गोवा की क्षेत्रीय एयरलाइन फ्लाई91 में पायलट के तौर पर काम करेंगे। मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक अभिनंदन अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई91 से जुड़ गए हैं। यहां वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। करीब दो दशक एयरफोर्स में सेवा देने के बाद यह

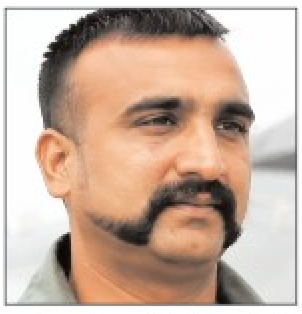

उनके करियर की नई पारी है। फिलहाल फ्लाई91 के प्रवक्ता ने इस बारे में कोई ऑफिशियल नहीं की है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की प्राइवेट जानकारी व्यक्तिगत मामला है। एयरलाइन में उनकी भूमिका के बारे में और ज्यादा जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। फ्लाई91 ने मार्च 2024 में उड़ानें शुरू की थीं। फिलहाल, उसके पास 6 एटीआर 72-600 विमान हैं. इसके मुख्य केंद्र गोवा और हैदराबाद में हैं। बता दें कि वीर चक्र विजेता अभिनंदन वर्धमान 2019 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध के बाद चर्चा में आए थे। अभिनंदन ने 27 फरवरी 2019 को अपने मिग-21 फइटर जेट से एडवांस पाकिस्तानी फाइटर जेट एफ-16 को मार गिराया था। इसके बाद वे सुर्खियों में आए थे। युद्ध के दौरान उनका एमआईजी-21 भी पाकिस्तानी मिसाइल की चपेट में आ गया और उन्हें इजेक्ट होकर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके यानी PoK में उतरना पड़ा।

दिल्ली एम्स में ऑपरेशन के लिए 13 साल इंतजार करती रही बच्ची, आखिर में दम तोड़ा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयु विज्ञान संस्थान में इलाज के लिए वर्षों तक इंतजार करने वाली 15 वर्षीय तन्वी की मौत हो गई। राजस्थान के कोटा की रहने वाली तन्वी दो साल की उम्र से दिल की गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। उसके माता-पिता ने वर्ष 2012 में एम्स में उसका इलाज शुरू कराया था, लेकिन परिवार के अनुसार करीब 14 साल तक इलाज और ऑपरेशन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। मंगलवार, 1 सितंबर को दिल्ली में बच्ची ने दम तोड़ दिया। तन्वी के पिता मुकेश परियानी के अनुसार, वह पहली बार 10 अक्टूबर 2012 को अपनी बेटी को लेकर एम्स की बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में पहुंचे थे।

सीजेपी के स्कूल ठीक करो कैंपेन को लगा झटका

सुप्रीम ने सीजेपी के सरकारी स्कूलों में एंट्री पर बैन लगाया

नई दिल्ली/ एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच पार्टी को झटका देते हुए सरकारी स्कूलों में एंट्री पर बैन लगाने के फैसले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। देश के शीर्ष न्यायालय ने कहा कि सरकारी स्कूलों एंट्री से पहले इजाजत है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, साक्षात्कार और लाइव स्ट्रीमिंग पर लगे प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली याचिका की

सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने अनुच्छेद 32 के तहत सुनवाई से इनकार कर दिया। दरअसल कॉकरोच पार्टी ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों में सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों, पत्रकारों, यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और समाज के प्रतिनिधियों के प्रवेश और स्कूलों में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, साक्षात्कार, ऑडियो रिकॉर्डिंग और लाइवस्ट्रीमिंग पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफयाचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि ये प्रतिबंध नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने मंगलवार को याचिका खारिज करते हुए कहा कि हम अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं है। वकील नरेंद्र मिश्रा की इस याचिका में राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों द्वारा जारी उन सर्कुलरों को चुनौती दी गई थी।

योगी सरकार ने की भोजन से लेकर हेल्थ और पशुओं के चारे तक की व्यवस्था

उत्तरप्रदेश में बाढ़ से 17 जिले और 1.70 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक रविवार तक प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक प्रदेश में कोई जनहानि नहीं व पशुहानि नहीं होने पाई है। योगी सरकार की निगरानी में राहत कार्य प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जारी हैं। वर्तमान में बाढ़ से करीब 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार का पूरा जोर प्रभावित आबादी को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है। इसके लिए प्रभावित इलाकों में अब तक कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की जा चुकी हैं। इन चौकियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। बाढ़ जैसी आपदा में सबसे बड़ी जरूरत प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने की है। योगी सरकार ने इस मोर्चे पर भी व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की स्थिति के मुताबिक 2,024 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 10,784 लंच पैकेट वितरित किए गए हैं। अब तक कुल 55,572 खाद्यान्न पैकेट और 3.02 लाख लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं। इससे

राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। प्रशासन द्वारा जरूरत के अनुसार राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है, ताकि बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने के बावजूद लोगों को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े। राहत कार्यों के साथ सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में 200 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5,432 क्लोरीन टैबलेट तथा 5,441 ओआरएस पैकेट वितरित किए गए हैं। बाढ़ के दौरान दूषित पानी और संक्रमण से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मेडिकल टीमों की तैनाती और क्लोरीन टैबलेट तथा ओआरएस के वितरण से प्रभावित आबादी को तत्काल स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। बाढ़ के कारण जिन क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है, वहां राहत एवं बचाव कार्य के लिए 525 नाव एवं मोटरबोट लगाए गए हैं। इनके माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक पहुंच बनाने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए 254 बाढ़ शरणालय स्थापित किए हैं।

बारिश से कच्चा मकान गिरा, पिता और दो बच्चों की मौत

बांदा: उत्तर प्रदेश में चित्रकूट जिले के एक गांव में बुधवार रात बारिश के दौरान एक कच्चा मकान गिर जाने से उसके मलबे में दबकर पिता और दो बच्चों की मौत हो गई जबकि महिला और एक बच्ची घायल हो गई। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चित्रकूट के जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि भरतकूप थाना क्षेत्र के बराही गांव में पहाड़ी के नीचे बना एक कच्चा मकान बुधवार रात करीब दो बजे गिर गया, जिसके मलबे में कल्लू यादव (32), उनकी पत्नी कुंता (30), उनके बच्चे अंश (पांच), अंशिका (तीन) और कल्ली (एक) दब गए। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर अधिकारी घटनास्थल पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से सभी को मलबे से बाहर निकलवाया तथा इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा के Farewell Ovation में भावनाओं और तकनीक का अनूठा संगम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का कोर्ट रूम आज सामान्य दिनों से कुछ अलग नजर आया। वातावरण में औपचारिकता से अधिक भावनाएँ थीं। अवसर था छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा के कार्यकाल के पूर्ण होने पर आयोजित Farewell Ovation का।

माननीय मुख्य न्यायाधिपति के कोर्ट रूम में आयोजित इस समारोह में उनके न्यायिक कार्यकाल, नेतृत्व और न्याय व्यवस्था में उनके योगदान को स्मरण किया गया। इस समारोह की एक खास बात यह भी रही कि विदाई सिर्फ कोर्ट रूम की चारदीवारी तक सीमित नहीं रही। कोर्ट रूम में मौजूदगी सीमित थी, लेकिन समारोह की पहुँच नहीं।

कार्यक्रम का Live Streaming के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। इसके जरिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय और प्रदेश के न्यायिक परिवार से जुड़े लोग देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से इस महत्वपूर्ण अवसर से जुड़ सके।

इसी डिजिटल माध्यम से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के सभी न्यायाधीशगण तथा आम नागरिकगण भी समारोह में जुड़े और माननीय मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा के संबोधन को सीधे सुना। तकनीक के इस इस्तेमाल ने विदाई के पारंपरिक स्वरूप को एक अलग आयाम दे दिया। एक ओर बिलासपुर का कोर्ट रूम था, जहां समारोह प्रत्यक्ष रूप से हो रहा था, वहीं दूसरी ओर स्क्रीन के माध्यम से अनेक न्यायिक अधिकारी तथा आम नागरिकगण उसी क्षण इस आयोजन के सहभागी बने हुए थे।

एक कार्यकाल, जिसने कई बदलावों को देखा : श्री रमेश सिन्हा के कार्यकाल के दौरान छत्तीसगढ़ की न्यायिक व्यवस्था में तकनीक, न्यायिक अधोसंरचना, न्याय तक पहुँच और प्रशासनिक दक्षता जैसे विषय लगातार चर्चा के केंद्र में रहे। न्यायिक संस्थाओं को बदलते समय के अनुरूप अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में हुए प्रयासों ने न्याय व्यवस्था को केवल पारंपरिक अदालतों तक सीमित रखने के बजाय उसे तकनीक और व्यापक जनसरोकारों से जोड़ने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

कुछ विदाइयाँ खत्म नहीं होतीं- 03 सितंबर 2026 का यह Farewell Ovation केवल एक कार्यकाल के पूर्ण होने का अवसर नहीं रहा। यह उस यात्रा को पीछे मुड़कर देखने का क्षण भी था, जिसमें न्यायिक दायित्व, संस्थागत नेतृत्व और बदलती तकनीकी दुनिया साथ-साथ चलती दिखाई दी।

बिलासपुर के कोर्ट रूम में शुरू हुई यह विदाई Live Streaming के जरिए दुर्ग समेत अनेक स्थानों तक पहुँची और न्यायिक परिवार के अनेक सदस्यों को एक साझा क्षण का हिस्सा बना गई।

क्योंकि कुछ विदाइयाँ किसी एक स्थान पर नहीं होतीं वे उन सभी लोगों की स्मृतियों में दर्ज होती हैं, जो उस यात्रा के किसी न किसी पड़ाव पर उसके साथ रहे होते हैं। और शायद इसी वजह से 03 सितंबर की यह विदाई केवल एक समारोह नहीं, बल्कि एक न्यायिक यात्रा के महत्वपूर्ण अध्याय का डिजिटल और भावनात्मक दस्तावेज बन गई।

बिना बताए 11 दिन से गायब स्वास्थ्य पर्यवेक्षक निलंबित, संभागीय संयुक्त संचालक की बड़ी कार्रवाई

सूरजपुर/अंबिकापुर। स्वास्थ्य विभाग में कार्य के प्रति लापरवाही और बिना पूर्व सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सरगुजा संभाग के संभागीय संयुक्त संचालक (स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सूरजपुर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उमेश्वरपुर में पदस्थ पुरुष स्वास्थ्य पर्यवेक्षक देवेन्द्रनाथ दुबे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।15 अगस्त से थे नदारदप्राप्त जानकारी के अनुसार, पुरुष पर्यवेक्षक देवेन्द्रनाथ दुबे बीते 15 अगस्त से लगातार 11 दिनों तक अपने कार्यस्थल से बिना किसी पूर्व सूचना अथवा आवेदन के अनधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे थे। राष्ट्रीय

पर्व के बाद से इस तरह बिना बताए गायब रहने को विभाग ने बेहद गंभीरता से लिया है।नोटिस का भी नहीं दिया जवाबइस संबंध में बीएमओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रेमनगर द्वारा 19 अगस्त को संबंधित कर्मचारी को 'कारण बताओ नोटिस' (शो-कॉज़ नोटिस) भी जारी किया गया था। इसके बावजूद कर्मचारी ने न तो नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत किया और न ही अपनी ड्यूटी पर उपस्थिति दी।सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाईबीएमओ प्रेमनगर द्वारा भेजे गए प्रतिवेदन पर कड़ा संज्ञान लेते हुए संयुक्त संचालक ने इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 का खुला उल्लंघन माना। इसके बाद छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया गया है। विभाग की इस कार्रवाई से लापरवाही बरतने वाले अन्य कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है।

सालों से एक ही टेबल पर कुंडली, नई कलेक्टर के एक्शन का इंतजार

कवर्धा। कबीरधाम जिले में सरकारी दफ्तरों की व्यवस्था पर वर्षों से जमे अधिकारी-कर्मचारियों की पकड़ अब चर्चा का विषय बनती जा रही है। कलेक्टर कार्यालय से लेकर जिला पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील, वन, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई विभाग तक कई ऐसे कर्मचारी और अधिकारी बताए जा रहे हैं, जो लंबे समय से एक ही शाखा और एक ही टेबल पर जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। शासन की स्थानांतरण नीति में निर्धारित अवधि और प्रशासनिक पारदर्शिता की भावना के बीच वर्षों से एक ही जगह जमे कर्मचारियों की मौजूदगी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। नई कलेक्टर तूलिका प्रजापति के पदभार संभालने के बाद अब जिले के लोगों की नजर इस बात पर टिक गई है कि क्या वर्षों से चली आ रही यह 'टेबल संस्कृति' टूटेगी। क्या लंबे समय से एक ही शाखा में जमे बाबुओं की जिम्मेदारियां बदली जाएंगी या फिर पुरानी व्यवस्था ही नए प्रशासनिक नेतृत्व के नीचे चलती रहेगी। दरअसल, किसी कर्मचारी का लंबे समय तक एक ही शाखा में बने रहना अपने आप में अनियमितता साबित नहीं करता, लेकिन संवेदनशील शाखाओं में वर्षों तक एक ही व्यक्ति के दायित्व संभालने से पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। फाइलों की आवाजाही, विभागीय प्रक्रिया, हितग्राहियों से जुड़े काम और कार्यालयीन निर्णयों की अंदरूनी जानकारी लंबे समय तक एक ही हाथ में रहने से प्रभाव का दायरा बढ़ने की आशंका रहती है। कलेक्टर कार्यालय में ही यदि शाखावार पदस्थापना की समीक्षा हो तो कई पुराने चेहरे सामने आ सकते हैं। यही स्थिति तहसील और पंचायत कार्यालयों में भी बताई जाती है, जहां कुछ कर्मचारी वर्षों से एक ही तरह के कार्यों का संचालन कर रहे हैं। वन, परिवहन और सिंचाई जैसे विभागों में भी लंबे समय से पदस्थ कर्मचारियों के दायित्वों की समीक्षा की जरूरत महसूस की जा रही है। शासन की स्थानांतरण नीति का मूल उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में गतिशीलता, जवाबदेही और पारदर्शिता बनाए रखना है। ऐसे में तीन वर्ष या उससे अधिक समय से संवेदनशील शाखाओं में जमे कर्मचारियों की सूची तैयार कर उनके दायित्वों की समीक्षा करना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अब नई कलेक्टर के सामने असली परीक्षा यही है कि क्या वह 'एक ही टेबल पर वर्षों से जमे' कर्मचारियों की व्यवस्था को हिलाने का साहस दिखाएंगी। यदि शाखाओं का नियमानुसार फेरबदल होता है तो लंबे समय से बनी प्रशासनिक जड़ता टूट सकती है। वहीं यदि वही पुराने चेहरे, वही टेबल और वही शाखाएं बरकरार रहती हैं तो पारदर्शिता को लेकर उठ रहे सवाल और ज्यादा गंभीर होंगे।

खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का माध्यम : सांसद विजय बघेल

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह संपन्न

भिलाई। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह गुरुवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। 31 अगस्त से 3 सितंबर 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समारोह के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अपने स्कूली जीवन के खेल अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि स्कूली जीवन में उन्होंने भी विभिन्न खेलों में भाग लिया और खेल मैदान से मिले अनुभव आज भी उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की साय सरकार खेलों के विकास तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी का परिणाम है कि देश के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विभिन्न मंचों पर तिरंगा लहरा रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विशेष अतिथि दुर्ग महापौर अलका बघमार ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास भी होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से खेलों से जुड़े रहने का आह्वान किया। इससे पूर्व संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग के.वी. राव ने स्वागत भाषण दिया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से आए खिलाड़ियों एवं दल प्रबंधकों ने सहभागिता की। समारोह में सहायक संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग के.के. शुक्ला, सहायक संचालक खेल दुर्ग संभाग कल्पना स्वामी, दल प्रबंधक दुर्ग संभाग पी.जे. सेबेस्टियन, रायपुर संभाग के पीताम्बर पटेल, सरगुजा संभाग के राजेश प्रताप सिंह, बिलासपुर संभाग के धनीराम यादव, बस्तर संभाग की साहिबा सहित विभिन्न संभागों के व्यायाम शिक्षक, ऑफिशियल्स एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

इसके अलावा विनोद नायर, अशोक कुमार रिगरी, सुधीर बंसल, अविनाश चंद्रशील, पूनम मिश्रा, आरती शुक्ला, जावेद, टुम्मन देवांगन, सुनील कुमार डडसेना, उमेश निर्मलकर, मोहित, विशाल, योगेश, सुधांशु, यीतेश, परिवेश, राजेन्द्र, सीतेश्वर, सनत, हिमाचल, हिमांशु एवं यशोदा साहू सहित बड़ी संख्या में व्यायाम शिक्षक एवं खेल अधिकारी मौजूद रहे।

विजेता खिलाड़ियों का सम्मान- समापन अवसर पर विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं एसएनजी एवं सेजेस बालाजी नगर भिलाई के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह में आकर्षण बढ़ाया।

कार्यक्रम का संचालन ममता ध्रुव एवं नरोत्तम साहू ने किया। आभार प्रदर्शन सहायक संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग के.के. शुक्ला ने किया।

राज्य स्तरीय संस्कृत ध्येय वाक्य प्रतियोगिता में डी ए वी स्कूल की बेटियों को मिला दूसरा और तीसरा स्थान

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ संस्कृत संस्थान की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय 'संस्कृत पखवाड़ा' प्रतियोगिता में डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता की दो होनहार छात्राओं ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पूरे प्रदेश में विद्यालय और अंचल का नाम रोशन किया है। इस कड़े मुकाबले में कक्षा सातवीं की छात्रा लक्ष्मी साहू ने पूरे राज्य में द्वितीय (दूसरा) और दीप्ति सेन ने तृतीय (तीसरा) स्थान हासिल कर एक अभूतपूर्व कीर्तिमान रचा है।कड़ी प्रतिस्पर्धा में मारी बाजी संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने और नई पीढ़ी को इसके गौरव से जोड़ने के लिए आयोजित इस 'ध्येय वाक्य प्रतियोगिता' में प्रदेश भर के सैकड़ों स्कूलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। इस कड़े और राज्य स्तरीय मुकाबले में जांता स्कूल की दोनों बेटियों ने अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और उत्कृष्ट ज्ञान के दम पर शीर्ष पायदानों पर अपना कब्जा जमाया। लक्ष्मी साहू के अद्वितीय प्रस्तुतीकरण ने उन्हें राज्य में दूसरा स्थान दिलाया, वहीं दीप्ति सेन ने अपनी बेहतरीन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान सुरक्षित किया। प्राचार्य और शिक्षकों ने जताया हर्ष छात्राओं की इस ऐतिहासिक और गौरवमयी सफलता पर डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने गहरा हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने दोनों विजेता बेटियों, उनके अभिभावकों और विद्यालय के मार्गदर्शक संस्कृत शिक्षक प्रकाश भोई, व भारती भट्ट को बधाई देते हुए कहा, यह सफलता हमारी छात्राओं की कड़ी मेहनत और उनकी छिपी हुई बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों ने राज्य स्तर पर यह मुकाम हासिल कर यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन मिले, तो वे किसी भी मंच पर देश-प्रदेश का नाम ऊंचा कर सकती हैं। इस बड़ी उपलब्धि से स्कूल के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और पूरे क्षेत्र में भारी उत्साह का माहौल है। लक्ष्मी और दीप्ति की इस सफलता ने क्षेत्र की अन्य बालिकाओं के लिए भी प्रेरणा की नई मिसाल पेश की है।

जंगलों में रहने वाले आदिवासी हमारे भाई हैं, सभी सनातनी हिन्दू हैं पुराणों में इनकी कथा है: अविमुक्तेश्वरानंद

बेमेतरा। ग्राम सलधा जहां सवा लाख शिवलिंग का ऐतिहासिक मंदिर बन रहा है वहीं उत्तराम्नाय ज्योतिष पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का दिव्य भव्य चातुर्मास चल रहा है। सर्व प्रथम समस्त ग्रामवासी घोठा और देवरबीजा के द्वारा पादुका पूजन किया गया। दण्डी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज ने सलधा शिवलिंग स्थापित करने वाले भक्तों के नाम की घोषणा की। स्वामी ने विरुदावली का वाचन किया। शंकराचार्य ने कहा कि भगवान् शंकर ज्ञान के देवता हैं गुरु पद पर विराजमान हो कर ज्ञान देने उत्सुक होते हैं सिखाते सिखाते परीक्षा भी लेते हैं हमने जो पढ़ाया वो समझे कि नहीं ये जानने परीक्षा ली जाती है। परीक्षा लेने भगवान् शिव जी ने वैश्य का अवतार लिया उस समय एक वैश्या थी। वैश्यावृत्ति बहुत प्राचीन समय से चली आ रही है। वैश्या भगवान शिव जी के भक्त थीं घर में बंदर और मुर्गा रखी थी बंदर को भस्म लगाती है रुद्राक्ष माला पहनाकर भजन कीर्तन करती थी और नाचती थी। भगवान् की आज्ञा का पालन करना सच्ची भक्ति है श्रुति स्मृति शास्त्र भगवान् की आज्ञा है भक्त को शास्त्र की आज्ञा का पालन करना चाहिए। भगवान् शिव जी परीक्षा लेने के लिए आये वैश्य के रूप में हाथ में सोने का कंगन था वैश्या बोली कंगन सुंदर है सेठ जी ने कहा इसके बदले क्या दोगी वैश्या ने कहा इसके बदले 3 तीन रात तीन दिन आपकी पत्नी की तरह सेवा करुंगी संकल्प कर लिया वैश्य ने सोने का मोहर और शिवलिंग दिया कहा अच्छे से रखना और शिव जी सो गए वैश्या भी सो गई अचानक आग लग गई वैश्या ने बंदर और मुर्गा को बचाया एक धरण गिरी जिससे शिवलिंग भी जल गया सेठ जी बोले कि शिवलिंग मेरा प्राण था अब मैं जलकर मरुंगा चिता में आग लगाई और सेठ जी जल गये अंतर्धान हो गए। वैश्या सोचने लगी मैं क्या करूं तो सोंचा कि मैं 3 तीन दिन के लिए पत्नी बनी थी आज दूसरा दिन है मुझे भी सती होना चाहिए। सत्य जिनके अंदर है वो भी सती है वैश्या भी परिक्रमा करके चिता में चढ़ गई और भगवान शिव जी प्रगट हो गये बोले महानंदा तू बड़ी भक्त है तू धर्म में अटल थी बोले जो चाहे सो मांग। वैश्या ने कहा कि मुझे संसार और स्वर्ग का भोग नहीं चाहिए मुझे भक्ति चाहिए भगवान ने कहा कि दिया शिव जी ने और मांगने कहा तो बोली कि मेरा सेवकों और बंदर का कल्याण कर दो शिव जी ने सभी का कल्याण कर दिया। भगवान् की भक्ति कोई भी कर सकता है उसमें जाती, लिंग, धन, जीविका का कोई बंधन नहीं है। एक राजा नया विवाह हुआ था वो विहार करने वन गये शिव पार्वती ब्राह्मण ब्राह्मणी बन कर आये एक बाघ आया बचाओ बोला राजा कुछ करता इसके पूर्व बाघ ब्राह्मणी को ले गया तब ब्राह्मण नाराज होकर बोले कि जो क्षति से हमको बचाये वो क्षत्रिय है तुम्हारे रहते बाघ मेरी पत्नी को ले गया।

संतान के दीघार्यु के लिए माताओं ने रखा हलषष्ठी व्रत

बेमेतरा। माताएं हलषष्ठी व्रत की पूजन किया हैं सुंदर सकरी का निर्माण करके माता हलषष्ठी का स्त्रियां पुत्र की दीर्घायु होने की कामना करते हुए माता हलषष्ठी की पूजन की हलषष्ठी व्रत के दिन भगवान गौरी गणेश की पूजन किया गया भगवान शिव का पूजन किया जाता है माताएं अपने पुत्र के दीर्घायु होने की कामना करते हैं पूजन में पचहर चावल को अक्षत बनाकर पूजन किया दोपहर उपरांत पूजन की जाती है सभी माताए एक स्थान पर एकत्रित होकर के पूजन संपन्न करते हैं पूजन के पश्चात राजा को किस प्रकार यश प्राप्त हुआ ग्वालिन को किस प्रकार मरे हुए पुत्र पुनः प्राप्त हुए वैश्य पत्नी को किस प्रकार पुत्र प्राप्त हुए कमर छठ की पूजन सभी महिलाओं को अपने बालकों के दीर्घायु होने के लिए किया जाता है।

हल षष्ठी, बलभद्र की पूजा शुभ मुहूर्त और तिथि में किया गया

हल छठ भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाई जाती है। जिसे बलराम जयंती भी कहते हैं। धार्मिक मान्यता है कि हलछठ का व्रत संतान की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। इसलिए महिलाएं इस दिन व्रत करती हैं, और संतान की लंबी आयु की कामना करती हैं। पंडित श्रीनिवास द्विवेदी द्वारा विधि विधान से पूजन कराकर हलषष्ठी का कथा सुनाया। इस दिन व्रती महिलाएं प्रातःकाल स्नान करके साफ कपड़ों को पहनें। इसके बाद वे घर के आंगन में गोबर से लीप कर एक चौक बनाएं। शिव गणेश भगवान बलराम का प्रतीक एक चौकी पर रखें और हल्दी, चावल, और विभिन्न प्रकार के अनाज का प्रयोग कर सकते हैं। इस दिन हल का उपयोग नहीं किया जाता है। व्रती महिलाएं इस दिन बिना हल के निकले हुए अनाज और फलों का ही सेवन करती हैं।

बलभद्र की पूजा शुभ मुहूर्त और तिथि में किया गया

हल छठ भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाई जाती है। जिसे बलराम जयंती भी कहते हैं। धार्मिक मान्यता है कि हलछठ का व्रत संतान की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। इसलिए महिलाएं इस दिन व्रत करती हैं, और संतान की लंबी आयु की कामना करती हैं। पंडित श्रीनिवास द्विवेदी द्वारा विधि विधान से पूजन कराकर हलषष्ठी का कथा सुनाया। इस दिन व्रती महिलाएं प्रातःकाल स्नान करके साफ कपड़ों को पहनें। इसके बाद वे घर के आंगन में गोबर से लीप कर एक चौक बनाएं। शिव गणेश भगवान बलराम का प्रतीक एक चौकी पर रखें और हल्दी, चावल, और विभिन्न प्रकार के अनाज का प्रयोग कर सकते हैं। इस दिन हल का उपयोग नहीं किया जाता है। व्रती महिलाएं इस दिन बिना हल के निकले हुए अनाज और फलों का ही सेवन करती हैं।

हलषष्ठी व्रत का महत्व

गंजपारा द्विवेदी निवास में हलषष्ठी व्रत का विशेष महत्व के साथ पूजन संपूर्ण हुआ इस संबंध में निवास द्विवेदी ने बताया कि इसे रखने से व्रती महिलाओं के संतान की सुरक्षा और दीर्घायु के लिए रखा जाता है। इस व्रत को करने से संतान को रोग, भय और अनिष्ट से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा, यह व्रत घर-परिवार में सुख-शांति और समृद्धि के लिए रखा जाता है। पूजन में दुर्गा नंदिनी द्विवेदी आरती द्विवेदी शीतल प्रिया शर्मा अंजू शर्मा मोहल्ले के महिलाओं ने बढ़-चढ़कर पूजन मे हिस्सा लिया। इस तरह से आप इस व्रत को सही मुहूर्त और तिथि पर कर सकते हैं। साथ ही, इसकी महत्वता को अच्छे से जान सकते हैं।

हलषष्ठी पूजन व्रत का लाभ और विधि विधान

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को 'हल षष्ठी' पर्व मनाया जाता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार इस दिन भगवान शेषनाग द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम के रूप में धरती पर अवतरित हुए थे। बलराम जी का प्रधान शस्त्र 'हल' व 'मूसल' है। इसी कारण इन्हें 'हलधर' भी कहा गया है। उन्हीं के नाम पर इस पर्व का नाम 'हल षष्ठी' पड़ा। इसे 'हरछठ' भी कहा जाता है। हल को कृषि प्रधान भारत का प्राण तत्व माना गया है और कृषि से ही मानव जाति का कल्याण है। इसलिए इस दिन बिना हल चले धरती का अन्न व शाक, भाजी खाने का विशेष महत्व है। इस दिन गाय का दूध व दही का सेवन वर्जित माना गया है। इस दिन व्रत करने का विधान भी है। हलषष्ठी व्रत पूजन के अंत में हलषष्ठी व्रत की छः कथाओं को सुनकर आरती आदि से पूजन की प्रक्रियाओं को पूरा किया जाता है।

संतान दीर्घायु व्रत

'हल षष्ठी' के दिन भगवान शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय, नंदी और सिंह आदि की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। इस प्रकार विधिपूर्वक 'हल षष्ठी' व्रत का पूजन करने से जो संतानहीन हैं, उनको दीर्घायु और श्रेष्ठ संतान की प्राप्ति होती है। इस व्रत एवं पूजन से संतान की आयु, आरोग्य एवं ऐश्वर्य में वृद्धि होती है। विद्वानों के अनुसार सबसे पहले द्वापर युग में माता देवकी द्वारा 'कमरछठ' व्रत किया गया था, क्योंकि खुद को बचाने के लिए मथुरा का राजा कंस उनके सभी संतानों का वध करता जा रहा था। उसे देखते हुए देवर्षि नारद ने 'हल षष्ठी' का व्रत करने की सलाह माता देवकी को दी थी। उनके द्वारा किए गए व्रत के प्रभाव से ही बलदाऊ और भगवान कृष्ण कंस पर विजय प्राप्त करने में सफल हुए थे। उसके बाद से यह व्रत हर माता अपनी संतान की खुशहाली और सुख-शांति की कामना के लिए करती है। इस व्रत को करने से संतान को सुखी व सुदीर्घ जीवन प्राप्त होता है।

संक्षिप्त समाचार

लबालब हुआ माडमसिल्ली बांध, एक्टिव हुआ साइफन सिस्टम, ऑटोमेटिक खुल रहे गेट

रायपुर। प्रदेश में लगातार बारिश का असर बांधों में दिखने लगा है। धमतरी जिले का ऐतिहासिक माडमसिल्ली बांध 100 फीसदी भर चुका है, जिसके बाद इसका साइफन सिस्टम एक्टिव हो गया है। जलस्तर निर्धारित सीमा तक पहुंचने पर बांध के साइफन स्पिलवे से पानी की निकासी शुरू हो गई है। ऑटोमेटिक खुलते साइफन गेट और तेजी से बाहर निकलते पानी का नजारा बेहद आकर्षक नजर आ रहा है। 3836 क्यूसेक पानी साइफन सिस्टम से निकल रहा है जो गंगरेल बांध में जा रहा है। माडमसिल्ली बांध धमतरी जिले के सबसे अनोखे और ऐतिहासिक बांधों में शामिल है, इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी तकनीक है। ब्रिटिश काल में वर्ष 1914 से 1923 के बीच इस बांध का निर्माण कराया गया था। सौ साल से अधिक पुराना होने के बावजूद बांध की तकनीक आज भी लोगों के लिए चर्चा का विषय बनी हुई है। माडमसिल्ली बांध में ऑटोमेटिक साइफन सिस्टम लगाया गया है। बांध में पानी का स्तर निर्धारित सीमा तक पहुंचने पर यह सिस्टम अपने आप सक्रिय हो जाता है और पानी की निकासी शुरू हो जाती है. इसके लिए अलग से गेट खोलने की जरूरत नहीं पड़ती। यही खास तकनीक माडमसिल्ली बांध को दूसरे बांधों से अलग पहचान देती है। माडमसिल्ली बांध में करीब 34 साइफन स्पिलवे होने की जानकारी है। बारिश के मौसम में जब बांध का जलस्तर बढ़ता है, तो साइफन सिस्टम सक्रिय होकर अतिरिक्त पानी को बाहर निकालता है। इस दौरान साइफन से निकलता पानी और एक साथ खुलते ऑटोमेटिक गेट बांध के नजारे को बेहद खूबसूरत बना देते हैं। माडमसिल्ली बांध सिर्फ जलसंचय का महत्वपूर्ण केंद्र ही नहीं, बल्कि पुराने दौर की इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण भी है। करीब एक सदी से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी बांध में इस्तेमाल की गई साइफन तकनीक आज भी बारिश के दौरान प्रभावी तरीके से काम करती है।

राहुल गांधी जल्द आ सकते हैं बस्तर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी का निमंत्रण किया स्वीकार

रायपुर। बस्तर की सियासत और बस्तर के जमीनी मुद्दों को लेकर जल्द ही कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी बस्तर पहुंच सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निमंत्रण को राहुल गांधी ने स्वीकार कर लिया है। ये बातें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जगदलपुर दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए कही। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि आज जिस गणपति रिसोर्ट के जिस हॉल में संगठन सृजन के तहत ब्लॉक अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, उसी हॉल में कुछ साल पहले राहुल गांधी पहुंचे थे. उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम में शिरकत की थी. हालांकि राहुल गांधी लंबे समय से छत्तीसगढ़ नहीं आए हैं. ऐसे में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से उन्हें छत्तीसगढ़ आने का निमंत्रण दिया गया था. जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी का यह दौरा केवल चुनावी दौरा नहीं होगा, ना ही छात्रों की गूंज होगी बल्कि बस्तर से जुड़े स्थानीय मुद्दों को लेकर होगा। राहुल गांधी ने बस्तर आने पर सहमति भी दे दी है। हालांकि दौरे की तारीख अभी तय नहीं हुई है। भूपेश बघेल ने कहा कि राहुल गांधी इन दिनों देशभर में युवाओं और छात्रों की समस्याओं को लेकर छात्रों की गूंज कार्यक्रम के तहत लगातार दौरे कर रहे हैं। वे लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं. लेकिन बस्तर दौरे के दौरान मुद्दा केवल छात्रों से जुड़ा नहीं होगा। बल्कि बस्तर की स्थानीय समस्याओं और यहां के अहम सवालों पर चर्चा की जाएगी। हालांकि कब राहुल गांधी बस्तर आएंगे इसकी तारीख तय नहीं हुई है।

मेहनत को मिला योजनाओं का संबल, सीता मरावी बनीं गांव की 'लखपति दीदी'

रायपुर। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत गुदुमदेवरी की श्रीमती सीता मरावी आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। कभी सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण करने वाली सीता मरावी ने वंदना महिला स्वसहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार की राह अपनाई और आज 'लखपति दीदी' बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद सीता मरावी ने बैंक लोन, सीआईएफ एवं आरएफ के माध्यम से प्राप्त 25 हजार रुपये की राशि से गांव में किराना दुकान शुरू की। इसके बाद समूह के संकुल से 50 हजार रुपये की राशि प्राप्त कर उन्होंने मुर्गी व्यवसाय भी प्रारंभ किया। दोनों व्यवसायों को मेहनत, लगन और बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ाते हुए उनकी वार्षिक आय अब लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये तक पहुंच गई है। बढ़ी हुई आमदनी से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि उनमें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। सीता मरावी बताती हैं कि महिला स्वसहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। समूह से मिले आर्थिक सहयोग और मार्गदर्शन ने उन्हें स्वरोजगार शुरू करने का अवसर दिया। आज वह अपने पैरों पर खड़ी हैं।

महिलाओं को संगठित कर उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाएगा महतारी सदन

महिलाओं के हुनर को मिलेगा मंच आत्मनिर्भरता को मिलेगी नई उड़ान

- खम्हरिया और उदयपुर में महतारी सदन निर्माण का भूमिपूजन, मंत्री श्री अग्रवाल ने दी सौगात
- महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का बनेगा सशक्त मंच -राजेश

रायपुर/ संवाददाता

नारी सशक्तीकरण के संकल्प के साथ सुशासन की सरकार प्रदेश की माताओं-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सशक्त नेतृत्व में प्रदेशभर में महतारी सदनों का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज अंबिकापुर के ग्राम खम्हरिया और ग्राम उदयपुर में महतारी सदन निर्माण कार्य का भूमिपूजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि महतारी सदन हमारी माताओं-बहनों के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता का केंद्र होगा। यह महिलाओं को एक ऐसा सशक्त मंच उपलब्ध कराएगा, जहां वे बैठकें, प्रशिक्षण तथा विभिन्न सामाजिक और आर्थिक गतिविधियां संचालित कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि महतारी सदन गांव की मातृशक्ति को संगठित करने और उनकी प्रतिभा एवं हुनर को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में अनेक पारंपरिक कौशल और प्रतिभाएं मौजूद हैं। उन्हें उचित मंच और अवसर मिलने पर वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि महतारी सदन में महिलाओं के लिए बैठक, प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के संचालन की सुविधा मिलेगी। इससे महिलाओं के बीच आपसी सहभागिता और समन्वय बढ़ेगा तथा उन्हें सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त होना परिवार और समाज की मजबूती का आधार है। जब महिलाएं अपने हुनर और क्षमता के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों से जुड़ती हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार के साथ-साथ गांव की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। महतारी सदन महिलाओं के सामाजिक सशक्तीकरण के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम भी बनेगा। इसके जरिए मातृशक्ति को अपनी क्षमताओं को पहचानने, उन्हें निखारने और नए अवसरों से जुड़ने का मंच मिलेगा। श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार नारी सम्मान, स्वाभिमान और सशक्तीकरण को विकास की प्राथमिकता से जोड़कर कार्य कर रही है।

जुआ-सट्टे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई पांच आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

जिले में जुआ-सट्टा और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कबीरधाम पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना पांडातराई और कुण्डा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, छह मोटरसाइकिल और सट्टा-पट्टी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार और अमित पटेल के मार्गदर्शन में जिले में जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी के तहत थाना पांडातराई पुलिस को ग्राम बोईरकछार के ब्राम्हण बगीचा में कुछ लोगों के रुपये-पैसों पर जुआ खेलने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस ने मौके से नरेश नेताम, पंचू निषाद, उमाशंकर जायसवाल और अमित चंद्रवंशी को 52 पत्ती ताश के जरिए रुपये-पैसों पर दांव लगाकर जुआ खेलते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 3,200 रुपये नकद और छह मोटरसाइकिल, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये है, जब्त की गईं। मामले में थाना पांडातराई में अपराध क्रमांक 126/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) में कार्रवाई की गई। कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला के नेतृत्व में की गई। इसी तरह थाना कुण्डा पुलिस ने ग्राम माकरी में सट्टा-पट्टी लिखते एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अनंत मनहर, उम्र 44 वर्ष, अंकों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिख रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 1,050 रुपये नकद और सट्टा-पट्टी बरामद की। आरोपी के खिलाफ थाना कुण्डा में अपराध क्रमांक 125/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6 के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

व्हीआर एकेडमी में लाखों की चोरी का 24 घंटे में खुलासा,दो आरोपी गिरफ्तार

- ताला तोड़कर अलमारी से नकदी लेकर ट्रेन से उज्जैन भागे थे आरोपी, बैतूल में आरपीएफकी मदद से पकड़े गए; 4.97 लाख बरामद

रायपुर/ संवाददाता

उरला थाना क्षेत्र के बीरगांव स्थित व्हीआर एजुकेशन एकेडमी में हुई लाखों रुपये की चोरी का रायपुर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एकेडमी का ताला तोड़कर अलमारी के लॉकर में रखी नकदी चोरी की और घटना के बाद ट्रेन से उज्जैन की ओर फरार हो गए थे। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनका पीछा करते हुए आरपीएफ भिलाई और बैतूल पुलिस से समन्वय स्थापित किया और दोनों आरोपियों को बैतूल में हिरासत में ले लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी की 4 लाख 97 हजार 500 रुपये की नकदी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार बीरगांव कैलाश नगर स्थित व्हीआर एजुकेशन एकेडमी की संचालक प्रगति वर्मा ने 31 अगस्त को थाना उरला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि करीब 12.06 बजे से 12.48 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति एकेडमी का ताला तोड़कर अंदर घुसा और अलमारी के लॉकर में रखी नकदी चोरी कर फरार हो गया। शिकायत के आधार पर थाना उरला में अपराध क्रमांक 409/2026, धारा 331(4), 305 एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। लाखों रुपये की चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

लोकवाद्यों की सुरमयी प्रस्तुतियों ने बिखेरा छत्तीसगढ़ी संस्कृति का रंग, लोक कलाकारों और बच्चों का हुआ उत्साहवर्धन

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जशपुर को सड़क विकास की बड़ी सौगात

कृषि,शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच होगी आसान-मुख्यमंत्री..

- खरकट्टा-कोडेकेला मार्ग के निर्माण के लिए 6.30 करोड़ रुपये से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल खरकट्टा से कोडेकेला पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 6 करोड़ 30 लाख 81 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत परियोजना के तहत 6.20 किलोमीटर लंबी सड़क का पुल-पुलिया सहित निर्माण किया जाएगा। इस मार्ग के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य मार्गों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी और क्षेत्रवासियों को वर्षभर सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। विशेषकर बरसात के दौरान आवागमन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों तक मजबूत सड़क नेटवर्क पहुंचाने को प्राथमिकता दी जा रही है। बेहतर सड़कें गांवों को केवल मुख्य मार्गों से जोड़ने का माध्यम नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ में यूसीसी पर व्यापक मंथनः बस्तर से सरगुजा तक की उठी आवाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता का सर्वसमावेशी प्रारूप तैयार करने की दिशा में प्रक्रिया तेज हो गई है। राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आज यूसीसी समिति के समक्ष बस्तर से लेकर सरगुजा तक के प्रतिनिधियों की आवाज गूंजी। इस परिचर्चा में सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग और अध्यक्ष राज्य फिल्म विकास निगम ने विवाह, तलाक, भरण-पोषण और उत्तराधिकार जैसे संवेदनशील विषयों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। समिति के सदस्यों सेवानिवृत्त आईएएस श्री एम. के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार, सेवानिवृत्त श्रीमती ज्योति रानी सिंह और सदस्य सचिव श्याम धावड़े ने सभी सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक ताने-बाने का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस दौरान कंवर, गोंड, बैगा और उरांव जैसी प्रमुख जनजातियों के प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखते हुए आदिवासियों की सदियों पुरानी रूढ़िगत प्रथाओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विशिष्टता को नए कानून में पूर्ण संरक्षण देने की बात कही।

दो फरार आरोपित और एक स्थायी वारंटी गिरफ्तार.......

रायपुर। संवाददाता

अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना विधानसभा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने विभिन्न आपराधिक मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपितों के साथ एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। वहीं सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी, छीलटई और चाकूबाजी जैसी गतिविधियों में संलिप्त पांच लोगों के खिलाफ भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और नगर पुलिस अधीक्षक विधानसभा के निर्देशन तथा थाना प्रभारी विधानसभा के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए प्रकरणों का तकनीकी विश्लेषण करने के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया था। लगातार सूचना संकलन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपितों की पतासाजी कर उन्हें गिरफ्तार किया और न्यायालय के समक्ष पेश किया। थाना विधानसभा के अपराध क्रमांक 400/2026 में धारा 109, 3(5) बीएनएस के तहत लंबित विवेचना के दौरान लंबे समय से फरार चल रहे करण नायक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसी तरह अपराध क्रमांक 278/2026 में धारा 296, 115, 351, 117(2), 109(1) बीएनएस के तहत दर्ज मामले में फरार चल रहे अमर नायक को भी तकनीकी जानकारी और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

अक्टूबर में हर निर्माणाधीन स्थल पर दिखे काम

बरसात के बाद युद्धस्तर पर शुरू हो निर्माण- मुकेश कुमार बंसल

- लोक निर्माण विभाग के सचिव ने पुल-पुलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों की समीक्षा की
- नए कार्यों की निविदा प्रक्रिया नवम्बर तक पूरी कर जनवरी तक कार्यारंभ करने कहा

रायपुर/ संवाददाता

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने बरसात के समाप्त होते ही निर्माणाधीन पुल-पुलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी निर्माणाधीन कार्यों का एक सप्ताह के भीतर ठेकेदारों के साथ स्थल निरीक्षण कर काम आगे बढ़ाने की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करते हुए बरसात के तुरंत बाद निर्माण कार्य युद्धस्तर पर शुरू करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में सभी निर्माण स्थलों पर काम होते हुए दिखना चाहिए। श्री बंसल ने आज नवा रायपुर स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्यालय 'निर्माण भवन' में पुल-पुलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए वर्ष 2025-26 और 2026-27 के प्राथमिकता वाले कार्यों के प्राक्कलन 20 सितम्बर तक जमा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश से क्षतिग्रस्त पुलों की मरम्मत के साथ रेलिंग और दीवारों की पेंटिंग का काम 30 नवम्बर तक पूरा करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में सेतु परिक्षेत्र के सभी संभागों के कार्यपालन अभियंताओं को अपने-अपने संभागों में भ्रमण कर पुल-पुलियों की वास्तविक जरूरत का आकलन कर लोगों की जरूरतों के अनुरूप नए पुल-पुलियों के निर्माण के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने और क्षतिग्रस्त पुलों की स्थिति पर भी लगातार नजर रखने और जहां आवश्यकता हो, वहां नए पुलों के निर्माण के प्रस्ताव भेजने को कहा। श्री बंसल ने कार्यपालन अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को सप्ताह में दो दिन अनिवार्य रूप से निर्माण स्थलों पर जाकर कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण की गुणवत्ता और समय-सीमा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने काम में लापरवाही बरतने या कार्य की गति धीमी रखने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कार्यपालन अभियंताओं और अनुविभागीय अधिकारियों को बिना अनुमति कार्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में मौजूद रहते हुए निर्माण स्थलों की समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने को कहा। श्री बंसल ने नए कार्यों की निविदा प्रक्रिया नवम्बर तक पूरी करने और जनवरी तक सभी कार्य हर हाल में शुरू करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों को समय पर ले-आउट, ड्राइंग-डिजाइन और कार्यस्थल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यस्थलों पर आने वाली समस्याओं का तत्परता से समाधान करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की गंभीरता से मॉनिटरिंग और निरीक्षण करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने ठेकेदारों को हर महीने भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति प्रभावित न हो। उन्होंने कार्य पूर्ण होने के बाद तीन माह के भीतर सभी दस्तावेजी प्रक्रिया और भुगतान पूरा कर अनुबंध क्लोज करने को कहा। श्री बंसल ने भारत सरकार के गतिशक्ति पोर्टल पर प्रदेश के सभी पुल-पुलियों की जानकारी 10 सितम्बर तक अपलोड करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

एसआईआर पर बड़ा सवाल, 91 फीसदी अपीलों में बहाल हुए मतदाता ?

विडंबना यह है कि एसआइआर अपने शुरुआती दौर से ही अनेक तरह के सवालों से घिरा रहा है और विपक्षी दल इसमें व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते रहे हैं। अपने घोषित उद्देश्य के मुताबिक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को देश में चुनावों और मतदान की प्रक्रिया को दोषरहित बनाने की कोशिश कहा जा सकता है। मगर इसके साथ ही यह जिम्मेदारी भी अनिवार्य रूप से जुड़ी हुई है कि कोई एक भी वैध मतदाता न छूटे और उसे मतदान का उसका अधिकार हर हाल में मिले। मगर क्या देश के अलग-अलग राज्यों में अब तक हुए एसआइआर में इसके घोषित उद्देश्यों के मुताबिक ही नतीजे सामने आ सके हैं?

विडंबना यह है कि एसआइआर अपने शुरुआती दौर से ही अनेक तरह के सवालों से घिरा रहा है और विपक्षी दल इसमें व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते रहे हैं। खासतौर पर पश्चिम बंगाल और बिहार में एसआइआर के बाद जिस पैमाने पर लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर किए गए, उसे लेकर तमाम सवाल उठे। यह कहा गया कि बड़ी संख्या में लोगों का नाम किसी कथित चूक का हवाला देकर मतदाता सूची से हटा दिया गया और वे वोट देने से वंचित रह गए। पश्चिम बंगाल में इस क्रम में ऐसे करीब सत्ताईस लाख लोगों के नाम बाहर कर दिए गए थे। जब उस पर चौतरफा सवाल उठे, तब निर्वाचन आयोग की ओर से उन्नीस अपीलीय न्यायाधिकरणों का गठन किया गया था।अब सूचना के अधिकार कानून के तहत मिली एक जानकारी के मुताबिक, एसआइआर के बाद आई 82,782 अपीलों में से न्यायाधिकरण की ओर से इक्यानबे फीसद मतदाताओं के नाम बहाल कर दिए गए हैं। फिलहाल कुल अपीलों में से सिर्फ 2.17 फीसद मामलों पर ही फैसला हुआ है। अगर दावा सही पाए जाने का अनुपात लगभग यही बना रहता है, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बड़े पैमाने पर वैध मतदाता अपना वोट डालने से वंचित रह गए। क्या यह उन तमाम मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं है, जिनका नाम किसी मामूली त्रुटि का हवाला देकर हटा दिया गया? मतदान के समय मतदाता सूची से नाम हटा देने और चुनाव खत्म होने के बाद वही नाम सही पाए जाने पर सूची में जोड़ देने को कैसे देखा जाएगा?इससे शायद ही किसी को आपत्ति होगी कि चुनावों में मतदान की पूरी प्रक्रिया बिल्कुल स्वच्छ और शुचितापूर्ण हो। साथ ही किसी भी स्थिति में उसमें न तो अवैध मतदान की कोई गुंजाइश हो और न ही किसी वैध मतदाता को मतदान के उसके अधिकार से वंचित किया जाए। निर्वाचन आयोग ने जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की थी, तो इसके पीछे यही दलील दी गई थी। प्रथम दृष्टया यह प्रक्रिया अपने आप में चुनावों को ज्यादा स्वच्छ बनाने की कवायद लगती है, क्योंकि इसके तहत वैसे सभी नामों को मतदाता सूची से हटाए जाने की बात कही गई, जिनकी या तो मौत हो गई या फिर जो किसी वजह से अन्य जगह विस्थापित हो गए हों।

मानव शरीर की हड्डियों और दिमाग की सेहत के बीच का संबंध शारीरिक सुरक्षा से कहीं ज्यादा गहरा है। इसका संकेत 1800 के दशक में तब मिला, जब फ्रांसीसी पैथोलॉजिस्ट जीन-मार्टिन चारकोट ने 'टेब्स डॉर्सैलिस' नाम की बीमारी वाले मरीजों के बारे में बताया था। इन मरीजों की हड्डियों के जोड़ कमजोर हो रहे थे, क्योंकि वहां मौजूद मुलायम ऊतक खराब हो रहे थे। चारकोट का मानना था कि इसकी वजह सामान्य हड्डियों की बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को पहुंचा नुकसान था। चारकोट को मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं के तंत्र की व्याख्या करने का श्रेय भी दिया जाता है।

क्या कमजोर हड्डियां बढ़ा सकती हैं मनोभ्रंश का खतरा? हड्डियों और याददाश्त का संबंध क्या है

(पुष्परंजन)

आज हालत यह है कि पैसा और तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के साथ लोगों ने खुद के कार्यों को घरेलू सहायकों के हवाले कर दिया है। तकनीक के विकास और विलासितापूर्ण जीवनशैली के साथ-साथ डिमेंशिया यानी मनोभ्रंश की बीमारी का संकट भी बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में इस बीमारी से एक करोड़ से अधिक लोग पीड़ित हैं, जबकि हल्के लक्षणों वाले लोगों की संख्या 2.4 करोड़ से ज्यादा है। मुख्य रूप से साठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग इसकी चपेट में आते हैं।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2036 तक भारत में यह संख्या बढ़कर लगभग 1.69 करोड़ हो सकती है। यह समस्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में और शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक देखी गई है। यह बीमारी भले ही मस्तिष्क और स्मरण शक्ति से जुड़ी है, लेकिन इसका कारण हड्डियों का कमजोर होना है। आज के दौर में शारीरिक गतिविधियों पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है, जिससे हड्डियों की सेहत भी कमजोर पड़ने लगी है। इसके परिणामस्वरूप लोगों को चलने-फिरने में दिक्कत के साथ मनोभ्रंश की समस्या भी घेरने लगी है।

मानव शरीर की हड्डियों और दिमाग की सेहत के बीच का संबंध शारीरिक सुरक्षा से कहीं ज्यादा गहरा है। इसका संकेत 1800 के दशक में तब मिला, जब फ्रांसीसी पैथोलॉजिस्ट जीन-मार्टिन चारकोट ने 'टेब्स डॉर्सैलिस' नाम की बीमारी वाले मरीजों के बारे में बताया था। इन मरीजों की हड्डियों के जोड़ कमजोर हो रहे थे, क्योंकि वहां मौजूद मुलायम ऊतक खराब हो रहे थे। चारकोट का मानना था कि इसकी वजह सामान्य हड्डियों की बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को पहुंचा नुकसान था। चारकोट को मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं के तंत्र की व्याख्या करने का श्रेय भी दिया जाता है।

हालांकि, बाद में न्यूयॉर्क के कोलंबिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन एवं बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. जेरार्ड कार्सेंटी ने हड्डियों में बनने वाले हार्मोन 'ऑस्टियोकैल्सिन' और शारीरिक कार्यों में इसकी भूमिका के बारे में बेहतर समझ विकसित की थी। यह हार्मोन 'ऑस्टियोब्लास्ट' से बनता है, जो हड्डी बनाने वाली कोशिकाएं होती हैं। यह हड्डी से खून में मिल जाता है और रक्त शर्करा को व्यवस्थित करने तथा 'टेस्टोस्टेरोन' और 'स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल' को विनियमित करने में मदद करता है, जो व्यायाम के दौरान मांसपेशियों के काम करने के लिए जरूरी होता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, 'ऑस्टियोकैल्सिन' हार्मोन चिंता एवं अवसाद को कम करता है और हमें किसी बात को याद रखने में मदद करता है। यह हार्मोन बच्चे के पैदा होने से पहले ही उसके दिमाग को विकसित करना शुरू कर देता है। यह मां के शरीर में बनता है और गर्भनाल के जरिए विकसित हो रहे भ्रूण तक पहुंचता है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों से पता चलता है कि बुजुर्ग इंसानों की तरह बूढ़े चूहों को भी याददाश्त की समस्या होती है।

परीक्षण के दौरान अठारह माह के एक चूहे को दोबारा पानी के टैंक में छोड़ दिया गया। चूहों की उम्र के हिसाब से उसे बूढ़ा कहा जा सकता है। वह पानी के नीचे एक ढांचे को ढूंढ़ने की कोशिश करता है, जिस पर वह चढ़ सके, लेकिन उसे याद नहीं आता कि वह कहां है। इसी तरह के टैंक में डाले गए एक अन्य युवा चूहे को उस ढांचे को तलाशने में कोई दिक्कत नहीं होती, जिसका इस्तेमाल उसने एक दिन पहले किया था। वैज्ञानिक बूढ़े चूहे को 'ऑस्टियोकैल्सिन' की एक खुराक देते हैं, जिससे उसकी याददाश्त बेहतर हो जाती है और वह उस ढांचे को ढूंढ़ लेता है।

वैज्ञानिकों ने एक और बात जानी कि चूहे में लगभग नौ माह की उम्र में तथा महिलाओं में तीस साल और पुरुषों में पचास साल की उम्र से पहले 'ऑस्टियोकैल्सिन' का स्तर तेजी से कम होने लगता है। हालांकि, जब शरीर पर व्यायाम या अन्य तरह की गतिविधि से दबाव पड़ता है, तो इस हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। शारीरिक गतिविधि के बिना हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है और इस हार्मोन का बनना भी कम हो जाता है।

वैज्ञानिकों ने पाया है कि ज्यादा उम्र की महिलाओं में बारह हफ्तों तक सप्ताह में तीन बार एक घंटे का व्यायाम करने से 'ऑस्टियोकैल्सिन' के स्तर और हड्डियों के घनत्व में बढ़ोतरी होती है। उदाहरण के लिए वजन उठाने की गतिविधि, दौड़ना, नृत्य करना या तेज चलना इस हार्मोन के स्तर को बढ़ा देता है। इसके अलावा विटामिन-डी और के-2 वाला अच्छा खान-पान भी इसका एक अहम हिस्सा है।

बढ़ती उम्र के साथ सुनने की क्षमता कम हो जाना एक और गंभीर समस्या है। अमेरिका में 1,44,000 महिलाओं पर किए गए एक अध्ययन में 'ऑस्टियोपोरोसिस' (हड्डियों का घनत्व कम होना) और सुनने की क्षमता कम होने के बीच संबंध पाया गया है। कान के बीच के हिस्से में मौजूद छोटी-छोटी हड्डियां (मेलियस, इनकस और स्टेप्स) आवाज को आगे पहुंचाने में मदद करती हैं। अगर हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से इन्हें नुकसान पहुंचता है, तो सुनने की क्षमता कम हो सकती है। मगर यह ऐसा जोखिम है, जिसे ठीक किया जा सकता है।

बहरहाल, मुख्य बात यह है कि हम अपनी हड्डियों की सेहत को उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी जरूरत होती है। जबकि हड्डियां शरीर के कई ऐसे जरूरी कार्यों को नियंत्रित करती हैं, जिनकी गति उम्र बढ़ने के साथ धीमी होने लगती है। इसलिए उम्र बढ़ने के साथ-साथ हड्डियों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

जब हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, तो हल्की चोट लगने पर भी उनके टूटने का खतरा रहता है। ऐसे में अगर सोचने-समझने एवं सुनने की क्षमता को बनाए रखना है और हड्डियों को टूटने से बचाना है, तो उनके स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। हड्डियों और दिमाग के बीच के परस्पर संबंधों को मजबूत बनाए रखने का सबसे असरदार और आसान तरीका है, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना। आज हालत यह है कि पैसा और तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के साथ लोगों ने खुद के कार्यों को घरेलू सहायकों के हवाले कर दिया है। यदि व्यक्ति झाड़ू-पोंछा, साफ-सफाई और भोजन बनाने जैसे घरेलू कार्यों को खुद करे, तो शरीर का अच्छा व्यायाम हो सकता है। यानी न तो जिम जाने की जरूरत पड़ेगी और न ही शारीरिक गतिविधियों के लिए पैसा खर्च करना पड़ेगा।

देश में मनोभ्रंश के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए सरकारी स्तर पर भी व्यापक प्रयास किए जाने की जरूरत है। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेष कार्यक्रम और अभियान शुरू करने होंगे। जिला स्तर पर 'मेमोरी क्लीनिक' खोलने होंगे और यहां पर देखभाल करने वालों को आर्थिक एवं सामाजिक सहायता देनी होगी। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में हड्डी एवं मानसिक स्वास्थ्य इकाइयां स्थापित करना भी समय की जरूरत है। मनोभ्रंश को आधिकारिक तौर पर बुजुर्गों की दिव्यांगता के रूप में अधिसूचित करने की जरूरत है। देश में बढ़ती आबादी के अनुरूप प्रभावी इलाज और रोकथाम के लिए अनुसंधान केंद्र स्थापित करना भी आवश्यक है। मगर इससे पहले देश में मनोभ्रंश प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना जरूरी है।

अंकों का गणित- एक रुपया बढ़े तो बरकत, एक अंक घटे तो बदल जाती है पूरी कहानी

(विप्रम)

कुछ संख्या बोलने में ही किसी को इतनी 'कठिन' लगती हैं कि उनकी जीभ लड़खड़ा जाए या भ्रम हो जाए। जैसे उनसठ, उनचास और उनहत्तर। अंकों का अपना अर्थ होता है। संख्या के हिसाब से इनका गणित कभी लाभदायक, तो कभी हानिकारक हो जाता है। इसी नफा या नुकसान के मद्देनजर इन्हें अजीब कहा जाता है। उदाहरण के तौर पर एक कर्मचारी की सेवानिवृत्ति उनतीस अप्रैल को हुई, हालांकि उनकी जन्म तिथि एक मई थी। सेवानिवृत्ति की आयु पूरी होने के लिहाज से देखा जाए, तो ऐसा लग रहा है कि उन्हें एक दिन पहले सेवानिवृत्त कर दिया गया। नियम यह है कि अगर उनकी जन्म-तिथि एक मई न होकर दो मई होती, तो वे इकतीस मई को सेवानिवृत्त होते। यानी उन्हें पूरे एक महीने का लाभ मिलता। एक दिन के फेर में कर्मचारी को खासा नुकसान हो गया।

अंकों के गणित की शुरुआत शून्य से नौ तक मानी जाती है। शून्य यानी जीरो का अपना अलग महत्व होता है। एक से आगे की संख्याओं की अपनी महिमा होती है। अपने विशेष संकेत हुआ करते हैं। शून्य वह संख्या है, जो किसी अन्य संख्या के पहले या बाद में लगा दिया जाए, तो उस संख्या का महत्व घट या बढ़ जाता है।

ठीक ऐसे ही एक वह संख्या है, जिसे किसी और संख्या में बढ़ा दिया जाए, तो उसकी महत्ता में और अधिक वृद्धि हो जाती है। उदाहरण के तौर पर एक सौ रुपए की इतनी अहमियत नहीं होती, जब तक कि उसमें एक रुपया बढ़ा न दिया जाए। एक सौ एक होते ही वह सौ रुपया 'श्रद्धापूर्ण' होकर बहुत भला लगने लगता है। ठीक इसी तरह पांच सौ एक और ग्यारह सौ एक रुपए। यहां बढ़ा हुआ एक रुपया बहुमूल्य ही नहीं, 'अति संस्कारी' भी हो जाता है!

एक रुपया, यानी एक की कमी कभी-कभी विस्मयकारी भी हो सकती है, जिसे सरकारी या गैरसरकारी खिड़की से कोई रेल या बस की टिकट लेते समय अमूमन देखा जा सकता है। यह एक रुपया कितना करामाती होता है, यह भीड़ में साफ दिखता है। टिकट लेने की प्रक्रिया में यह रुपया बाधक भी हो सकता है और बड़ा कीमती भी हो जाता है। यानी एक की संख्या। एक बार एक प्रधानमंत्री को सदन में यह एक की संख्या कितनी भारी पड़ी थी, सब जानते हैं। सीधे शब्दों में कहें, तो उनकी सरकार चली गई थी।

इस एक की संख्या का गणित सच में बड़ा जटिल होता है। एक नंबर से परीक्षाफल में विद्यार्थियों की अच्छी-खासी डिवीजन यानी श्रेणी तक बदल जाती है। एक मिनट लेट होने पर ट्रेन छूट जाती है, तो आजकल कभी-कभी परीक्षा-भवन में प्रवेश से रोक दिया जाता है। हर शुरुआत के लिए पहले कदम की दरकार होती है।

असल गिनती देखा जाए, तो एक से दस तक हुआ करती है। इसी को क्रम से आगे बढ़ाते रहा जाए, तो गिनती और बढ़ती रहेगी। सौ, हजार, लाख, करोड़ सब अंकों का खेल है। पुराने लोगों को तो हाथ की अंगुलियों की गिनती आती थी, यानी पांच तक। इसी पांच में वे अपनी जिंदगी गुजार लेते थे। पर यहां यह जरूर कह सकते हैं कि पांच से दो अंक पहले जो अंक यानी तीन आता है, वह न तो उन्हें भला लगता था, न किसी और को। यह संख्या आज के दौड़ते-भागते लोगों को भी माफिक नहीं लगती। अशुभ मानते हुए कहा भी जाता है- तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा।

इस क्रम में देखा जाए तो नौ की संख्या 'अद्भुत' मानी जाती है। यह वह संख्या है, जिसे एक से दस तक गुणा करने के बाद जो फल आता है, उसका जोड़ भी नौ ही आएगा। जैसे नौ गुणा एक बराबर हुआ नौ। नौ गुणा दो बराबर अठारह। इस अठारह का जोड़ हुआ नौ। ऐसे ही नौ को तीन से गुणा करने के उपरांत योग हुआ सत्ताईस। इसका जोड़ हुआ नौ। आखिर में नौ को दस से भी गुणा करने पर जोड़ हुआ नब्बे।

इस नब्बे को जोड़ा, तो फिर नौ बने। बहरहाल, बारह की संख्या के बाद और चौदह से पहले आने वाली संख्या, यानी तेरह, कैलेंडरों या किताबों में तो अवश्य लिखी मिल जाएगी, लेकिन किसी होटल या अस्पताल में यह संख्या कई बार कहीं नहीं दिखती है। शायद बहुत पर्दे में रहती है। अंकशास्त्री भी इसके सम्मोहन में हाथ खड़े कर देते हैं। तेरह की तोड़ में जगह-जगह केवल बारह-ए लिखा मिल सकता है। सीधा-साफ तेरह नहीं लिखा जाता। इसका भाव भी टेढ़ा समझा जाता है।

बहरहाल, संख्याओं के तीन-तेरह में क्या और क्यों पड़ना! बड़े से बड़े अंकशास्त्री इससे बचा करते हैं। फिर आम लोगों की क्या ही कहें? अंकों का विश्लेषण करते हुए कुछ संख्याओं पर टिप्पणी करना यहां अति आवश्यक है। ये अगर यहां गिनाई न जाएं तो बात अधूरी रह सकती है। इन्हें संज्ञा विशेषण ही नहीं, बल्कि सर्वनाम विशेषण और क्रिया विशेषण के तौर पर भी याद किया जा सकता है।

बारिश में क्यों डूब रहे शहर? कचरा प्रबंधन की कमजोरी से बढ़ रहा जलभराव का संकट

हर मानसून में योजनाओं की कमियों और अधूरी तैयारियों के चलते शहरों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और मोहल्लों में बाधित आवागमन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। सड़कों और सर्विस लेन के किनारे डाला जाने वाला कचरा वर्षा जल निकासी के नालों में चला जाता है, जिससे उनकी जल निकासी क्षमता घटती है, बारिश के पानी का बहाव रुकता है, और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा होती हैं। मसलन, हैदराबाद में हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड असेट प्रोटेक्शन एजेंसी (हाइड्रा) ने बारिश के पानी की निकासी वाले नालों से 13 ट्रक कचरा निकाला।

(सृष्टि मिश्रा)

बारिश की बढ़ती तीव्रता के मद्देनजर वही शहर बाढ़ से सुरक्षित रह पाएंगे, जो कचरा प्रबंधन के नियमों का सही ढंग से पालन करेंगे। मानसून ने फिर बता दिया कि भारी बारिश के सामने हमारे शहर कितने कमजोर हैं। कई शहर भारी बारिश के बाद सड़कों पर बाढ़ और जलजमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। इस समस्या को गहराई से देखने पर इसके पीछे कचरा प्रबंधन की नाकामी साफ नजर आती है।

हर मानसून में योजनाओं की कमियों और अधूरी तैयारियों के चलते शहरों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और मोहल्लों में बाधित आवागमन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। सड़कों और सर्विस लेन के किनारे डाला जाने वाला कचरा वर्षा जल निकासी के नालों में चला जाता है, जिससे उनकी जल निकासी क्षमता घटती है, बारिश के पानी का बहाव रुकता है, और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा होती हैं। मसलन, हैदराबाद में हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड असेट प्रोटेक्शन एजेंसी (हाइड्रा) ने बारिश के पानी की निकासी वाले नालों से 13 ट्रक कचरा निकाला।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, भारत में रोजाना 1,70,900 टन शहरी ठोस कचरा निकलता है। इसमें से 61 फीसदी की प्रोसेसिंग होती है, 22 फीसदी हिस्सा लैंडफिल में जाता है, जबकि 17 प्रतिशत कचरे का लेखा-जोखा ही नहीं मिल पाता है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वॉयरन्मेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के मुताबिक, जो कचरा आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाता, उसका बड़ा हिस्सा खुले में फेंक दिया जाता है। यह कचरा धीरे-धीरे जलस्रोतों और बारिश के पानी की निकासी वाले नालों में पहुंच जाता है। मानसून से पहले इन नालों की सफाई न होने के कारण उनकी जल निकासी क्षमता कम हो जाती है और जलभराव की समस्या बढ़ जाती है। यह समस्या बुनियादी ढांचे के डिजाइन में कमी के कारण और भी बढ़ जाती है।

शहरी जल निकासी तंत्र आमतौर पर सिर्फ 12 से 20 मिमी प्रति घंटे की तीव्रता वाली बारिश को संभाल पाते हैं। लेकिन, अब शहरों में कम समय में बहुत तेज बारिश हो रही है, जो इनकी क्षमता से कहीं अधिक है। सीईईडब्ल्यू के एक शोध में सामने आया है कि द्विवर्षीय पुनरावृत्ति अवधि वाली बारिश की घटनाओं में महाराष्ट्र के ठाणे और गुजरात के नवसारी शहरों में 55 से लेकर 60 मिलीमीटर प्रति घंटे की तीव्रता की बारिश दर्ज की गई। यह चुनौती तब और गंभीर हो जाती है, जब कचरा प्रसंस्करण की व्यवस्था पर्याप्त न हो। ऐसे में कुछ कदम उठाने जरूरी हैं।

पहला, शहरी स्थानीय निकायों को जल निकासी व्यवस्था और रोजमर्रा के संचालन की योजना बनाते समय वार्ड स्तर पर बारिश और कचरे से जुड़े आंकड़ों का एकसाथ विश्लेषण करना होगा। इससे योजना निर्माण के लिए पुराने औसत आंकड़ों की तुलना में एक सशक्त आधार मिलता है। दूसरा, शहरी स्थानीय निकायों को बारिश के बदलते पैटर्न को ध्यान में रखकर नालों की सफाई के समय में बदलाव करना होगा। इसके अलावा, स्वच्छता, जल-निकासी और सीवरेज जैसे विभिन्न विभागों के बीच तालमेल को औपचारिक रूप देना चाहिए। इधर-उधर कचरा फेंकने पर सख्ती किए बगैर सिर्फ नालों की सफाई करके शहरी बाढ़ नहीं रोकी जा सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में वर्षा जल निकासी के नालों में सीवेज का प्रवाह रोकने, खुले में कचरा फेंकने पर जुर्माने को सख्त बनाने और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ाने पर जोर दिया है। तीसरा, शहरों को एकीकृत जल निकासी व कचरा प्रबंधन ढांचे में निवेश करना होगा। यानी, बाढ़ के जोखिम वाले इलाकों में जीरो-वेस्ट योजनाओं के साथ वर्षा जल निकासी के ढांचे को विस्तार देना चाहिए।

अंत में, शहरों को शुरू में ही कचरे को नालों में जाने से रोकना होगा। कचरा पकड़ने वाले जाल (डेब्रिस ट्रैप्स), स्क्रीन और ट्रैश रैक जैसे कम लागत वाले उपकरण कचरे को नालों में जाने से रोक सकते हैं। केरल के अलाप्पुझा की 'कैनालपी' पहल मोहल्ला स्तर पर कचरा रोकने वाली स्क्रीन और विकेंद्रीकृत घरेलू कचरा प्रबंधन के जरिये प्लास्टिक को नहरों तक पहुंचने से रोकती है। वहीं, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर रोक से नाले जाम होने की समस्या भी घट सकती है। यानी कचरे को स्रोत और जल निकासी, दोनों स्तरों पर रोककर बाढ़ और नालों की सफाई का खर्च कम किया जा सकता है।

अगर कचरा प्रबंधन सही नहीं है, तो कोई भी शहर सिर्फ बड़े नाले बनाकर भी बाढ़ की समस्या नहीं सुलझा सकते हैं। इसलिए, जलवायु परिवर्तन के कारण जिस तरह से बारिश की तीव्रता बढ़ रही है, कचरा प्रबंधन को एक जरूरी जलवायु अनुकूलन बुनियादी ढांचा मानना चाहिए। अब बाढ़ से वही शहर सुरक्षित रह पाएंगे, जो बारिश आने से काफी पहले से अपने कचरे को नालों में जाने से रोक पाएंगे।

(लेखिका रिसर्च एनालिस्ट, सीईईडब्ल्यू)

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर जनदर्शन में 45 आवेदन प्राप्त, शीघ्र निराकरण करने अधिकारियों को दिए निर्देश

कांकेर। कलेक्टर कार्यालय में सोमवार आयोजित साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 45 आवेदकों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी और अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया। जनदर्शन में विभिन्न ग्रामों से पहुंचे ग्रामीणों द्वारा प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्कूल भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क का मरम्मत कार्य, सीसी सड़क एवं नाली निर्माण, आधार कार्ड एवं आबादी सर्वे सूची में नाम सम्मिलित करने, धान खरीदी केंद्र खुलवाने एवं किसान समृद्धि योजनांतर्गत नलकूप खनन हेतु अनुदान राशि प्रदाय करने जैसे विभिन्न प्रकार की मांगों व समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर सभी एसडीएम, जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद थे।

भालू के हमले से ग्रामीण घायल, जेपरा गांव में देर रात हुई घटना, लहूलुहान हालत में अस्पताल में भर्ती

कांकेर। कांकेर जिले में जंगली जानवरों के हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में जेपरा गांव में देर रात भालू ने एक ग्रामीण पर अचानक हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, जेपरा निवासी मिथलेश गागेवर देर रात अपने घर के पास था, तभी अचानक भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू के हमले से मिथलेश बुरी तरह घायल हो गया और उसके शरीर से काफी खून बहने लगा।

ग्रामीणों ने शोर मचाकर भालू को भगाया–घटना के बाद ग्रामीणों ने आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर शोर मचाया, जिसके बाद भालू वहां से भाग गया। ग्रामीणों की मदद से घायल मिथलेश को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

गांव में दहशत का माहौल–भालू के हमले के बाद जेपरा गांव सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में जंगली जानवरों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, जिससे लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

वन विभाग से सुरक्षा की मांग–ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और जंगली जानवरों से ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए वन विभाग को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए।

एग्रीस्टेक पंजीयन कार्य का कलेक्टर ने किया समीक्षा, एक सप्ताह के भीतर प्रगति लाने के निर्देश

डिजीटल क्रॉप सर्वे में विशेष सावधानी बरतने दिए निर्देश

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार ने आज जिले के सभी राजस्व अधिकारियों सहित कृषि, सहकारिता, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, जिला विपणन संघ तथा विकास कार्यों से संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे, स्वामित्व योजना, भू-आबंटन एवं भू-अर्जन की स्थिति सहित राजस्व प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। एग्रीस्टेक पंजीयन की अनुभाग एवं तहसीलवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर लक्ष्य का 65 प्रतिशत पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर से पहले जिले में एग्रीस्टेक पंजीयन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जाए। इस कार्य में जनपद पंचायत एवं सहकारिता से जुड़े विभागों का सहयोग लेने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने शहरी क्षेत्रों तथा शहरों से लगे ग्रामों में विशेष सावधानी बरतने कहा, ताकि एग्रीस्टेक पंजीयन में केवल कृषि भूमि ही शामिल हो।

कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की भी समीक्षा की और एक सप्ताह के भीतर कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वे के दौरान विशेष सावधानी बरतने की हिदायत देते हुए कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में केवल धान फसल को ही शामिल किया जाए। मक्का, सब्जी, रागी, कोदो-कुटकी आदि अन्य फसलों तथा तालाब जैसी गैर-कृषि मदों को डिजिटल क्रॉप सर्वे में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। बैठक में शासकीय योजनाओं के लिए भू-आबंटन एवं भू-अर्जन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर कुंदन कुमार ने एकता नगर कांकेर में स्थापित होने वाले विद्युत सब स्टेशन कार्य से संबंधित भूमि आबंटन की समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। वहीं चारामा विकासखंड के लखनपुरी स्थित औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशन की स्थापना के लिए सीएसआईडीसी द्वारा विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को लीज पर आबंटित भूमि का यथाशीघ्र पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों से जुड़े भूमि संबंधी प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं करने तथा प्राथमिकता के साथ कार्रवाई करने कहा है।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर कांकेर जितेन्द्र कुर्रे, अंतागढ़ ए.एस. पैकरा, सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, विपणन संघ, कृषि, मत्स्य पालन, विद्युत वितरण कंपनी, लोक निर्माण विभाग एवं उद्योग विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

छात्रावास के पास शराब दुकान हटाने की मांग, निकलेगा रैली

कांकेर/दुर्गूकोंदल। छात्रावास के समीप संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर भीम आर्मी भारत एकता मिशन ब्लॉक दुर्गूकोंदल एवं क्षेत्रवासियों द्वारा 3 सितंबर को शांतिपूर्ण रैली और धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने तहसीलदार दुर्गूकोंदल को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित आंदोलन की जानकारी दी है। भीम आर्मी के पदाधिकारियों का कहना है कि दुकान संचालित होने से विद्यार्थियों के अध्ययन के वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही क्षेत्र के युवाओं पर भी इसके नकारात्मक प्रभाव की आशंका है। इसी को लेकर संगठन ने शराब दुकान को छात्रावास से दूर अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग उठाई है।

संगठन के अनुसार 3 सितंबर को सुबह 11 बजे शांतिपूर्ण रैली दुर्गूकोंदल मुख्य चौक से शुरू होगी। रैली कोदापाखा चौक होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचेगी। इसके बाद तहसील कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के माध्यम से प्रशासन के समक्ष छात्रावास के समीप संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग रखी जाएगी।

भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, अहिंसक एवं लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष पूनमचंद तारम, ब्लॉक अध्यक्ष ललित दुर्गा, रानू राम, कृष्णा कोर्राम एवं संतु राम सहित अन्य पदाधिकारी और क्षेत्रवासी मौजूद थे।

विधायक आशाराम नेताम ने लिया

स्वच्छता और यातायात व्यवस्था का जायजा

मस्जिद चौक एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कांकेर। कांकेर शहर में स्वच्छता व्यवस्था एवं यातायात सुरक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में विधायक आशाराम नेताम ने सोमवार को मस्जिद चौक एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक पहलुओं पर ध्यान दिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र की यातायात व्यवस्था का भी जायजा लिया। आम लोगों, राहगीरों और वाहन चालकों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसे लेकर आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

सफाई व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

विधायक आशाराम नेताम ने मस्जिद चौक सहित आसपास के प्रमुख स्थानों पर पहुंचकर सड़क, सार्वजनिक स्थानों और आसपास की साफ-सफाई की स्थिति देखी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से सफाई कर्मियों की तैनाती कर स्वच्छता सुनिश्चित की जाए तथा नालियों की सफाई और कचरा उठाने की व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए।

यातायात सुरक्षा पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र की यातायात सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। आम लोगों, राहगीरों और वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसे लेकर आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

जनभागीदारी से बनेगा बेहतर शहर

विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता रखें और यातायात नियमों का पालन करें।

आशाराम नेताम, विधायक कांकेर ने कहा–

"जनता की सुविधा, स्वच्छता और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वच्छ और सुरक्षित शहर के निर्माण में नागरिकों की सहभागिता बहुत जरूरी है।"

कलेक्टर ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार ने मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला चिकित्सालय कांकेर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों एवं चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लेकर मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर ने ट्रॉमा सेंटर एवं आपातकालीन कक्ष, इंचार्ज रूम, ड्यूटी डॉक्टर कक्ष, ड्रेसिंग कक्ष, प्लास्टर रूम, ओपीडी पंजीयन, सर्जरी ओपीडी, आर्थो ओपीडी, सीटी स्कैन एवं फिजियोथेरेपी कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनके उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में चिकित्सा स्टाफकी नियमित रूप से ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए, विशेष रूप से मध्य रात्रि में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को तत्काल एवं यथोचित उपचार उपलब्ध कराने के लिए शिफ्टवार मेडिकल स्टाफ की ड्यूटी सुनिश्चित करने कहा गया, ताकि मरीजों को उपचार के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर ने फिजियोथेरेपी सेवाओं को शाम के समय भी संचालित करने के निर्देशित किया, ताकि मरीजों को सुविधा के अनुसार उपचार मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ईको मशीन को दो दिवस के भीतर सुधारने तथा आवश्यकता होने पर रिप्लेस करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में कोई भी मशीन खराब होने पर तत्काल उसका सुधार कराया जाए। डॉक्टरों एवं चिकित्सा स्टाफको निर्धारित वेशभूषा में रहने तथा अनिवार्य रूप से नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, शौचालयों को स्वच्छ रखने और समस्त स्टाफको अनुशासन में रहकर कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों के साथ चिकित्सा स्टाफ का व्यवहार ही जिला अस्पताल की छवि बनाता है। मरीज अस्पताल से संतुष्ट और खुश होकर लौटें, यह सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने रेफर किए गए मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा रेफरल मरीजों का संपूर्ण विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टरकुंदन कुमार ने जिला चिकित्सालय में शिकायत पेटी रखने तथा प्रत्येक पंजीयन रजिस्टर के पास कंप्यूटर की व्यवस्था कर मरीजों का डिजिटल प्रणाली से पंजीयन करने के निर्देश अस्पताल अधीक्षक को दिए गए।

24 घंटे में बाइक चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार, जंगल से बरामद हुई मोटरसाइकिल

रात में घर के सामने से उड़ाई बाइक, तार जोड़कर बिना चाबी किया स्टार्ट; पुलिस की पूछताछ में खुला राज

कांकेर। दुर्गूकोंदल थाना क्षेत्र में घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 18 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिल को इरबोड़ी के घने जंगल से बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम इरबोड़ी निवासी अनुपम तिवारी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 30 अगस्त की रात करीब 8 बजे उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त-19 क्र-5567 घर के सामने खड़ी की थी। अगले दिन सुबह बाइक मौके से गायब मिली। आसपास

तलाश और पतासाजी के बाद भी बाइक का पता नहीं चला तो 31 अगस्त को दुर्गूकोंदल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर पुलिस को प्रिंस उईके, पिता शिवकुमार उईके, उम्र 18 वर्ष, निवासी इरबोड़ी, थाना अंतागढ़ पर संदेह हुआ। पूछताछ में आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार कर लिया।

तार जोड़कर बिना चाबी स्टार्ट की बाइक–पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने 30 अगस्त की रात करीब 12 बजे मोटरसाइकिल चोरी की थी।

10 हजार की 'डील' पड़ी भारी प्रधान आरक्षक लाइन अटैच, स्टॉक में कमी बताकर वसूली का आरोप

1 हजार ऑनलाइन ट्रांसफर के बाद खुला पूरा खेल; ऑडियो और CCTV ने बढ़ाई मुश्किल

कांकेर। स्टॉक रजिस्टर में कमी बताकर खाद-बीज दुकान संचालक से 10 हजार रुपए की कथित वसूली मांगना प्रधान आरक्षक को भारी पड़ गया। दुकान सील करने की धमकी, फोन पर बातचीत का ऑडियो, सीसीटीवी फुटेज और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के सबूत सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने बांदे थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक प्रशांत दास को लाइन अटैच कर दिया। मामला ग्राम पीवी-81 स्थित मां काली कृषि केंद्र से जुड़ा है। आरोप है कि 10 अगस्त को प्रधान आरक्षक दुकान पहुंचा और स्टॉक रजिस्टर में कमियां बताते हुए संचालक सुजय हलदार को थाने बुलाया। संचालक के थाने नहीं पहुंचने पर कथित तौर पर फोन कर दुकान सील करने की धमकी दी गई। 10 हजार मांगे,

पहले पहुंच गए 1 हजार–आरोप है कि मामला रफा-दफा करने के नाम पर 10 हजार रुपए की मांग की गई। इसके बाद दुकान संचालक ने प्रधान आरक्षक के फोन-पे नंबर पर 1 हजार रुपए ट्रांसफर किए। यही ऑनलाइन ट्रांजेक्शन अब मामले में अहम डिजिटल सबूत बन गया है। घटना की शिकायत कृषि आदान संघ के पदाधिकारियों तक पहुंची तो उन्होंने सीसीटीवी फुटेज, धमकी भरी कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग और ऑनलाइन भुगतान का स्क्रीनशॉट जुटाकर पुलिस को सौंप दिया। सबूत आए सामने तो विभाग ने लिया एक्शन शिकायत और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर राकेश कुमार कुर्रे ने प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया है। मामले में विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

10 लाख का गबन, पोस्ट मास्टर बर्खास्त फिर भी नहीं मिली रकम, अब थाने पहुंचा पीड़ित

कांकेर। ग्रामीण डाक शाखा पीवी-9 में खाताधारकों की जमा पूंजी में कथित फर्जीवाड़े का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। विभागीय जांच में करीब 10 लाख रुपए के फर्जीवाड़े की पुष्टि होने और आरोपी तत्कालीन पोस्ट मास्टर के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद पीड़ितों को उनकी रकम अब तक वापस नहीं मिल सकी है। परेशान खाताधारक अब पुलिस की शरण में पहुंच रहे हैं। ग्राम पीवी-55 निवासी शिशिर कुमार डे ने मंगलवार को पखांजूर थाने पहुंचकर तत्कालीन पोस्ट मास्टर देवराज बैसरा के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित का आरोप है कि उसके खाते से उसकी जानकारी के बिना पूरी रकम निकाल ली गई। शिशिर कुमार ने बताया कि 7 मार्च 2020 को उन्होंने अपने खाते से 2 हजार रुपए निकाले थे। इसके बाद खाते में 28,909 रुपए शेष थे। कुछ समय बाद जब दोबारा पैसे निकालने पहुंचे तो खाते का बैलेंस देखकर उनके होश उड़ गए। खाते से पूरी रकम पहले ही निकाली जा चुकी थी और बैलेंस शून्य हो गया था। पीड़ित ने तत्काल विभाग में शिकायत की। जांच के बाद आरोपी पोस्ट मास्टर को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

गांव की पगडंडी से मेडिकल कॉलेज तक पहुंचा लोकेश्वर, 4 प्रयासों के बाद पूरा किया डॉक्टर बनने का सपना

पिता को खोया, दो अंकों से चूका, लेकिन नहीं टूटा हौसला; NEET में ST कोटे में हासिल की 86वीं रैंक

कांकेर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुखदेव पातर की कर्मस्थली ग्राम भेलवापानी के साधारण परिवार से निकलकर लोकेश्वर बघेल ने अपनी मेहनत और जिद के दम पर बड़ी सफलता हासिल की है।

लगातार चार प्रयासों और करीब तीन साल के संघर्ष के बाद लोकेश्वर ने नीट यूजी-2026 में सफलता हासिल कर डॉक्टर बनने का रास्ता साफकर लिया है। उन्होंने 720 में से 412 अंक हासिल किए और छत्तीसगढ़ की एसटी कोटा मेरिट सूची में 86वीं रैंक प्राप्त की। उनका चयन सिम्स बिलासपुर में एमबीबीएस के लिए हुआ है। लोकेश्वर की सफलता की राह आसान नहीं थी। पांच साल पहले पिता के निधन के बाद परिवार की

आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई थी। इसके बावजूद मां, बड़े भाई और चाचा ने उनका हौसला बनाए रखा और पढ़ाई जारी रखने में सहयोग किया। लोकेश्वर ने बालक आश्रम जाड़ेकुर्से से प्राथमिक शिक्षा हासिल की। इसके बाद नवोदय विद्यालय करप से पढ़ाई की और कांकेर से 12वीं तक की शिक्षा पूरी की। वर्ष 2023 में पहली बार सीट की पात्रता मिलने के बावजूद ग्रामीण परिवेश के कारण काउंसलिंग प्रक्रिया की सही जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद उन्होंने दोबारा तैयारी शुरू की। 2024 में 10 अंकों से चूक गए। इसके बाद 2025 में भिलाई जाकर दिन-रात मेहनत की, लेकिन इस बार भी सफलता सिर्फदो अंकों से दूर रह गई। लगातार असफलताओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कमियों पर काम करते रहे। आखिरकार चौथे प्रयास में उन्होंने 87.71 पर्सेंटाइल हासिल कर अपना सपना पूरा कर लिया।

पिता के बाद मां, भाई और चाचा बने सहारा

पिता के असमय निधन के बाद परिवार को संभालने में मां रसबत्ती टोहलिया, बड़े भाई देवेंद्र बघेल और चाचा चैताराम टोहलिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर्थिक परेशानियों के बावजूद परिवार ने लोकेश्वर की पढ़ाई रुकने नहीं दी।

अब गांव के लोगों का इलाज करना लक्ष्य

लोकेश्वर का कहना है कि ग्रामीण और सुदूर इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को उन्होंने करीब से देखा है। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना चाहते हैं। उनकी सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। समाज और क्षेत्रवासियों ने लोकेश्वर को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बिजली के बढ़े दाम वापस लेने और स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर भरवाए जा रहे आवेदन

महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का घर-घर अभियान जारी

कांकेर। बढ़ते बिजली बिल और स्मार्ट मीटर को लेकर कांग्रेस का गांव-गांव अभियान जारी है।

इसी कड़ी में जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मंडल सरोना में बैठक आयोजित कर कार्यकर्ताओं को बिजली के बढ़े दाम वापस लेने और स्मार्ट मीटर हटाने की मांग संबंधी आवेदन पत्र वितरित किए गए। कांग्रेस ने तय किया है कि बूथ एजेंट और सेक्टर प्रभारी घर-घर पहुंचकर लोगों से आवेदन भरवाएंगे और इन्हें शासन-प्रशासन को सौंपा जाएगा। ग्राम सरोना में आयोजित बैठक मंडल प्रभारी एवं जिला सचिव मुकेश राय

तथा मंडल अध्यक्ष मुकेश रजक के मार्गदर्शन में हुई। बैठक में ब्लॉक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, जोन प्रभारी, सेक्टर प्रभारी और बूथ एजेंट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान मंडल प्रभारी मुकेश राय ने कार्यकर्ताओं को आवेदन पत्र वितरित करते हुए अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी सौंपी।

बैठक को संबोधित करते हुए मुकेश राय ने कहा कि बढ़ती महंगाई से मध्यम वर्ग, मजदूर और किसान पहले से परेशान हैं। ऐसे में बिजली बिल में बढ़ोतरी से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में असफल रही है। साथ ही उन्होंने स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि लोगों की अनुमति के बिना निजी कंपनी द्वारा घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

घर-घर पहुंचेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

कांग्रेस पदाधिकारियों ने तय किया कि बूथ एजेंट, सेक्टर प्रभारी और अन्य कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों से बिजली के बढ़े दाम वापस लेने तथा स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर आवेदन भरवाएंगे। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई और सभी पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में ये रहे शामिल

आयोजित बैठक में कमल ध्रुवा, सुखलाल शोरी, दिनेश सहारे, पृथ्वी रामटेके, फैजल मेमन, जगदेव मंडावी, हरक नेताम, जेवा मरकाम, पुष्कर साहू, ललिता शोरी, रमेश मरकाम, देवानंद मरकाम, मनोज निषाद, त्रिवेणी हिरवानी, सीमा बढ़ी, प्रेम मंडावी और मानिक बढ़ी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार कॉलोनी में मनाया गया हलषष्ठी पर्व, महिलाओं ने संतान की लंबी आयु के लिए रखा व्रत

बिलासपुर। पत्रकार कॉलोनी में बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई श्री बलराम के जन्मोत्सव हलषष्ठी (कमरछठ) का पर्व बहुत ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। धार्मिक माहौल माताओं ने अपने बच्चों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन के लिए व्रत रखा और भगवान से अपने बच्चों की सलामती की प्रार्थना की। हर साल की तरह पत्रकार कॉलोनी रिंग रोड 2 में स्थित गार्डन में हलषष्ठी पूजा के लिए 'सगरी' (तालाब) बनाया गया। इस दिन कुश के पौधे की पूजा का खास महत्व होता है। महिलाओं ने सगरी में कुश का फूल सजाकर जल चढ़ाया, फल-फूल अर्पित किए और दीप जलाकर पूजा की। व्रती महिलाएं एक साथ बैठकर कथा का पाठ कर पर्व की महत्ता को बताया गया। इस मौके पर श्रीमती नमिता शुक्ला, श्रीमती बिंदु विश्वकर्मा, श्रीमती मंजू यादव, श्रीमती उमेद बाई, श्रीमती ममता पटेल, श्रीमती अलका चंदेल, श्रीमती श्वेता तिवारी, श्रीमती मधु विश्वकर्मा, श्रीमती हेमाक्षी विश्वकर्मा, श्रीमती उर्मिला टांडे, नंदिता दास आदि शामिल हुए।

गुजारा भत्ता मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, पति-पत्नी को एक-दूसरे की आय-संपत्ति के शपथ पत्र पर जिरह का अधिकार

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ता के मामलों में एक अहम निर्णय सुनाते हुए कहा है कि अब पति और पत्नी दोनों को एक दूसरे की आय और संपत्ति से जुड़े शपथ पत्र पर क्रॉस एक्जामिनेशन करने का पूरा अधिकार है. हाईकोर्ट के सिंगल बेंच ने यह निर्णय पारित किया है. इस तरह हाईकोर्ट ने दुर्ग फैमिली कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें एक पति को अपनी पत्नी के आय के जरिए पर सवाल पूछने से रोक दिया गया था. दरअसल रायपुर निवासी एक महिला ने अपने पति के खिलाफदुर्ग परिवार न्यायालय में अपने पति के खिलाफभरण पोषण का आवेदन लगाया है. जिसमें महिला ने अपने आय और संपत्ति का विवरण शपथ पत्र के साथ पेश किया था. जिसपर बहस करते हुए बीते 3 अगस्त को आय और संपत्ति के ब्यौरे से संबंधित जिरह को फैमिली कोर्ट ने रोक दिया था, जिसे पति ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी.पति ने कहा कि ऐसा करने से वो प्रभावी ढंग से अपना पक्ष नहीं रख पाएगा, जो सुनवाई के सिद्धांतों के विपरीत है, जिसपर हाईकोर्ट ने उसकी याचिका स्वीकार करते हुए दुर्ग परिवार न्यायालय को निर्देश दिया है कि 11 सितंबर की सुनवाई में पति को जिरह की अनुमति दी जाए.

12 की राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की मुख्य न्यायाधीश ने की समीक्षा

बिलासपुर। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा के लिए माननीय मुख्य न्यायाधीश एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी संबंधित न्यायिक अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कार्यपालक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू भी उपस्थित रहे। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुराने लंबित सिविल एवं आपराधिक सुलह योग्य मामलों की पहचान कर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, परक्राम्य लिखत अधिनियम तथा मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित मामलों पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन मामलों के निपटारे के लिए पक्षकारों को समझाइश देकर विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रयास किया जाए। न्यायिक अधिकारियों को पक्षकारों के साथ पूर्व बैठक कर विशेष रूप से ऐसे मामलों की पहचान करने कहा गया, जिनमें बीमा एवं वित्तीय कंपनियां जैसी संस्थाएं पक्षकार हैं।

बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने किया शुभारंभ

पांच संभागों के 845 खिलाड़ी दिखाएंगे खेल प्रतिभा

■ न्यायधानी में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य आगाज

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर के पुलिस ग्राउंड में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला के आतिथ्य में हुआ। चार दिवसीय इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों से 845 खिलाड़ी एवं 150 ऑफिशियल हिस्सा ले रहे हैं। शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों ने उत्साह और उमंग के साथ मार्चपास्ट कर खेल भावना का परिचय दिया। मुख्य अतिथि बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ खेल का भी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि 2047 के विकसित भारत की संकल्पना तभी साकार होगी, जब बच्चे पढ़ेंगे, खेलेंगे और विकास की नई राह गढ़ेंगे। उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि एवं क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में खेलों के लिए बेहतर वातावरण तैयार हुआ है। बस्तर खेल महोत्सव और सरगुजा खेल महोत्सव जैसे आयोजनों से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में खेल प्रतिभाओं के विकास को बढ़ावा मिल रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि खेल में जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण भागीदारी और खेल भावना है। खेलों से बच्चों का

शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। आज खेल के क्षेत्र में प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए करियर के भी बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अनुशासन और पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न खेल स्पर्धाएं बिलासपुर के प्रमुख खेल मैदानों में आयोजित की जा रही हैं। इनमें बेसबॉल, तैराकी एवं वाटरपोलो सहित विभिन्न खेल शामिल हैं। बेसबॉल की स्पर्धाएं छत्तीसगढ़ स्कूल मैदान तथा तैराकी एवं वाटरपोलो की स्पर्धाएं संजय तरण पुष्कर, बिलासपुर में आयोजित की जा रही हैं। संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर श्री अश्वनी कुमार भारद्वाज ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों एवं ऑफिशियल सहित सभी लोगों के लिए आवास, शुद्ध पेयजल, गुणवत्तापूर्ण भोजन और परिवहन की समुचित व्यवस्था की गई है। व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। शुभारंभ समारोह में पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरकंडा की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. भारती दुबे ने किया। मास्टर ऑफ सेरेमनी के रूप में श्री आशीष मिश्रा एवं श्री शाहिद हुसैन ने कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, संयुक्त संचालक शिक्षा श्री अश्वनी कुमार भारद्वाज, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती वर्षा शर्मा।

विद्यालय में मटकी फोड़ एवं मल्लखंभ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर एवं विवेकानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बेलतरा में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं सांस्कृतिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मटकी फोड़ एवं मल्लखंभ प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा एवं खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने टीम भावना, साहस एवं उत्साह का परिचय दिया। वहीं मल्लखंभ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संतुलन, शारीरिक लचीलापन एवं अद्भुत कौशल का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिली। शिक्षकों ने प्रतियोगिता में

भाग लेने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों के महत्व एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के लाभ के बारे में बताया। विद्यालय में बच्चे भगवान श्री कृष्ण राधा का बाल स्वरूप तैयार हुए । भगवान श्री कृष्ण का पूजा करकर सभी बाल स्वरूप श्री कृष्ण राधा का पूजा किया गया । विद्यालय के प्राचार्य एवं संचालक गगन कुमार कौशिक ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं पारंपरिक गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जाना आवश्यक है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा उन्हें शुभकामनाएँ दी गईं।

सीवीओ, एसईसीएल श्री हिमांशु जैन ने डीएफसीसीआईएल,कोलकाता में लोक खरीद एवं सतर्कता पर दिया व्याख्यान

बिलासपुर। एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारीश्री हिमांशु जैन ने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल), कोलकाता द्वारा आयोजित 03 माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत लोक खरीद एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सतर्कता विषय पर प्रशिक्षण-सह-परस्पर संवाद सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री जैन ने अपने समृद्ध प्रशासनिक अनुभव एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण के आधार पर लोक खरीद प्रणाली में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता एवं जवाबदेही के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक धन के प्रभावी एवं उत्तरदायी उपयोग के लिए यह आवश्यक है कि खरीद प्रक्रिया

के प्रत्येक चरण में सतर्कता संबंधी प्रावधानों एवं नैतिक मानकों का पूर्णत: पालन किया जाए। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि निवारक सतर्कता केवल अनियमितताओं की रोकथाम का माध्यम नहीं, बल्कि संस्थागत सुशासन एवं उत्कृष्ट प्रशासनिक संस्कृति को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी साधन है।अपने व्याख्यान में श्री जैन ने लोक खरीद प्रक्रिया के विभिन्न चरणों—आवश्यकता निर्धारण विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन की तैयारी, निविदा आमंत्रण, बोली मूल्यांकन, अनुबंध प्रदान करना, कार्य निष्पादन तथा भुगतान—पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रत्येक चरण में संभावित जोखिमों की पहचान करते हुए उनके प्रभावी प्रबंधन के उपायों पर चर्चा की।

बेलतरा विधायक के बयान पर कांग्रेस नेता अंकित गौरहा की प्रतिक्रिया बोले-जनप्रतिनिधि से जिम्मेदार भाषा की अपेक्षा..

बिलासपुर। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के बयान पर कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक की बयानबाजी उनकी राजनीतिक सोच और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति दृष्टिकोण पर सवाल खड़े करती है।गौरहा ने कहा कि सुशांत शुक्ला ने अपने बयान में गृह विभाग को लेकर हमारी व्यक्तिगत व्यवस्था जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है। गृह विभाग किसी व्यक्ति की निजी या व्यक्तिगत व्यवस्था नहीं,बल्कि संविधान,कानून और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत संचालित होने वाला महत्वपूर्ण सरकारी विभाग है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पद पर बैठे जनप्रतिनिधियों से संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा और शब्दों की गंभीरता समझने की अपेक्षा की जाती है।उन्होंने कहा कि यदि विधायक के बयान का आशय कुछ और था तो उन्हें उसे स्पष्ट करना चाहिए,क्योंकि सरकार और शासन-व्यवस्था किसी व्यक्ति की निजी व्यवस्था नहीं,बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह संवैधानिक व्यवस्था है। युवा कांग्रेस के चुनाव को 'गुंडों का समूह' बताने पर सवाल-अंकित गौरहा ने सुशांत शुक्ला द्वारा युवा कांग्रेस के संगठन चुनाव को गुंडों के समूह का चुनाव बताए

जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक चुनाव में युवा कार्यकर्ता लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत भाग लेते हैं और अपने प्रतिनिधियों का चयन करते हैं।गौरहा ने कहा,राजनीतिक विरोध करना हर दल का अधिकार है,लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल युवाओं के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल उचित नहीं है। यदि किसी व्यक्ति के खिलाफकोई आपराधिक मामला है तो कानून अपना काम करेगा,लेकिन पूरे संगठन और उसके चुनाव में शामिल युवाओं को एक ही नजर से देखना न्यायसंगत नहीं है।उन्होंने कहा कि बिलासपुर की घटना पर कानून व्यवस्था को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस हो सकती है,लेकिन उस बहस को युवा कांग्रेस के संगठन चुनाव से जोड़ना उचित नहीं है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं पर टिप्पणी से राजनीतिक कद नहीं बढ़ता-गौरहा ने सुशांत शुक्ला द्वारा प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर लगातार की जा रही टिप्पणियों को लेकर भी कहा कि विपक्ष के नेताओं पर टिप्पणी करना राजनीति का हिस्सा हो सकता है,लेकिन इससे किसी जनप्रतिनिधि का राजनीतिक कद अपने आप नहीं बढ़ता। उन्होंने कहा प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर टिप्पणी करने से किसी का राजनीतिक कद नहीं बढ़ता। भाजपा में भी किसी पद या जिम्मेदारी की अपेक्षा ऐसे बयानों के आधार पर नहीं की जानी चाहिए। बेहतर होगा कि विधायक जी अपनी जिम्मेदारियों और क्षेत्र के विकास के मुद्दों पर अधिक ध्यान दें।गौरहा ने कहा कि विपक्ष के नेताओं पर टिप्पणी करने के बजाय यदि विधायक अपने क्षेत्र की जनता से जुड़े मुद्दों,विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर अधिक समय दें,तो यह जनता के लिए ज्यादा उपयोगी होगा।

रतनपुर की बेटियों ने बंढाया मान.......

■ एसएआई की कुश्ती चयन प्रक्रिया में सुभद्रा और अस्मिता का चयन

रतनपुर। भारत सरकार द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण में खेल प्रतिभाओं के क्षेत्र में खिलाड़ियों एवं प्रतिभाशाली छात्राओं का चयन उच्च स्तरीय ट्रायल-ग्राउंड टेस्ट तथा स्किल टेस्ट के तहत कुश्ती क्षेत्र में मुख्य सेंटर में किया जाता हैद्य कुश्ती खेल प्रतिभा चयन प्रक्रिया में रतनपुर के लिए गौरव का विषय है कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय रतनपुर की प्रतिभाशाली छात्राओं सुभद्रा एवं अस्मिता का चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ियों के चयन से विद्यालय परिवार सहित रतनपुर नगर में हर्ष और उत्साह का माहौल है। क्योंकि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से इस खेल के लिए सिर्फदो छात्राओं का चयन हुआ है और दोनों छात्रा रतनपुर से है कुश्ती जैसे कठिन और अनुशासनपूर्ण खेल में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए सुभद्रा एवं अस्मिता ने लगातार मेहनत, नियमित अभ्यास और दृढ़ इच्छाशक्ति के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। दोनों खिलाड़ियों को लंबे समय से कुश्ती के प्रशिक्षक सागर धीवर एवं प्रमोद धीवर द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है। प्रशिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, फिटनेस और आत्मविश्वास को लगातार मजबूत किया। मेहनत और लगन बनी सफलता की कुंजी-सुभद्रा और अस्मिता ने विभिन्न कुश्ती प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। पिछले वर्ष सुभद्रा यादव छत्तीसगढ़ राज्य से महिला वर्ग में सिल्वर मेडल प्राप्त कर पहली महिला पहलवान बनने का गौरव हासिल की थी द्य इस चयन में सुभद्रा एवं अस्मिता कठिन अभ्यास, अनुशासन और प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने ख्रु की चयन प्रक्रिया में अपनी जगह बनाई। यह उपलब्धि न केवल दोनों खिलाड़ियों के लिए बल्कि पूरे रतनपुर क्षेत्र के साथ-साथ के छत्तीसगढ़ राज्य लिए गौरव की बात है। चयनित होने पर प्राप्त होगी सुविधाएं- इसमें चयन होने के पर नि:शुल्क हॉस्टल, खाना, पढ़ाई, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग, मेडिकल एवं बीमा की सुविधा प्राप्त होती है द्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती की कठिन प्रशिक्षण हेतु इनको शासन की और से लगातार ख्रु लखनऊ में ही रह कर प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य शरण जीत बग्गा ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के अवसर मिलना आवश्यक है।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने बिलासपुर स्टेशन पर चल रहे मेजर स्टेशन रिडेवलपमेंट एवं पुनर्विकास कार्यों का किया निरीक्षण...

■ निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर उच्च गुणवत्ता, यात्री सुविधा एवं संरक्षा को प्राथमिकता देने के दिए दिशा-निर्देश

बिलासपुर। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज 02 सितम्बर 2026 को बिलासपुर स्टेशन का निरीक्षण कर स्टेशन पर चल रहे मेजर स्टेशन रिडेवलपमेंट एवं पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (आरएसपी), प्रधान मुख्य इंजीनियर, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, मंडल रेल प्रबंधक सहित मुख्यालय एवं मंडल के विभिन्न विभागों के शाखाधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने बिलासपुर स्टेशन पर चल रहे विभिन्न विकास एवं पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान प्रगति, निर्धारित समय-सीमा एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित मॉडल एवं ले-आउट प्लान का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को सभी कार्यों को निर्धारित मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के दौरान यात्रियों की सुविधा, संरक्षा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निर्माण कार्यों के कारण यात्रियों को कम से कम असुविधा हो, इसके लिए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा कार्यस्थल पर उचित संरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए।

महाप्रबंधक ने बिलासपुर स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों, फुट ओवर ब्रिज सहित अन्य महत्वपूर्ण यात्री क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेते हुए स्वच्छता, बेहतर यात्री आवागमन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को यात्रियों को संरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर निर्माणाधीन नए स्टेशन भवन का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने भवन के विभिन्न हिस्सों में किए जा रहे कार्यों का अवलोकन करते हुए निर्माण की गुणवत्ता एवं कार्य की गति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने स्टेशन के दूसरे छोर पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार का भी निरीक्षण किया तथा वहां चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बिलासपुर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य यात्रियों को आधुनिक एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुनर्विकास के उपरांत स्टेशन पर यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर आवागमन व्यवस्था, सुविधाजनक प्रवेश एवं निकास तथा अधिक सुव्यवस्थित यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अधिकारियों को स्टेशन पुनर्विकास के सभी कार्यों में आपसी समन्वय बनाए रखते हुए गुणवत्ता, समयबद्धता एवं संरक्षा के निर्धारित मानकों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कृष्ण के अनेक रूप हैं और इन रूपों में जो रूप आम आदमी में सर्वाधिक लोकप्रिय और बहुप्रचारित है, वह है रासलीला वाले कृष्ण का। श्रृंगार रस में डूबे कृष्ण, ब्रज की गोपिकाओं के साथ रास रचाते हैं और तरह-तरह की क्रीड़ाएं करते हैं।

रख रहे हैं जन्माष्टमी का व्रत

जरूर रखें इन नियमों का ध्यान

जब-जब धरती पर धर्म का पतन होता है तब-तब भगवान मनुष्य रूप में पृथ्वी पर अवतार लेते हैं। इसी कड़ी में भाद्रपद की कृष्ण अष्टमी तिथि, बुधवार, रोहिणी, नक्षत्र में भगवान विष्णु ने कृष्ण रूप में अवतार लिया। इस दिन भगवान पृथ्वी पर अवतरित हुए थे इसलिए इस दिन कृष्ण जन्माष्टमी मनाया जाता है। इस दिन सभी लोग रात 12 बजे तक व्रत रखते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है व्रत की तैयारी और क्या हैं नियम?मथुरा वृंदावन सहित उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में कृष्णजन्म का नहीं बल्कि कृष्ण जन्मोत्सव का व्रत रखते हैं। यहां अष्टमी के साथ नवमी व्यापिनी तिथि में भी व्रत रखा जाता है क्योंकि यहां जन्म का नहीं उत्सव का व्रत रखते हैं। लेकिन जो लोग श्रीकृष्णजन्म का व्रत रखते हैं उनके लिए व्रत-उपवास और पूजन, झूलन के लिए सभी प्रकार से ग्रह्य और उचित रहेगा।

यह हैं नियम

- जन्माष्टमी के व्रत से पहले रात को हल्का भोजन करें और अगले दिन ब्रह्मचर्य का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए, ऐसी मान्यता है।
- उपवास के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि कार्यों से निवृत होकर भगवान कृष्ण का ध्यान करना चाहिए।
- भगवान के ध्यान के बाद उनके व्रत का संकल्प लें और पूजा की तैयारी करनी चाहिए।
- इस दिन भगवान कृष्ण को माखन-मिश्री, पाग, नारियल की बनी मिठाई का भोग लगया जाता है।
- हाथ में जल, फूल, गंध, फल, कुश हाथ में लेकर ममखिलपापप्रशमनपूर्वक सर्वाभीष्ट सिद्धये, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं करिष्ये? इस मंत्र का जाप करना चाहिए।
- रात 12 बजे भगवान का जन्म करें, इसके बाद उनका पंचामृत से अभिषेक करें। उनको नए कपड़े पहनाएं और उनका श्रृंगार करना चाहिए।
- भगवान का चंदन से तिलक करें और उनका भोग लगाएं। उनके भोग में तुलसी का पत्ता जरूर डालना चाहिए।।
- नन्द के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, कहकर कृष्ण को झूला झुलाना चाहिए।
- भगवान कृष्ण की घी के दीपक और धूपबत्ती से आरती उतारें और उनके रातभर मंगल भजन गाना चाहिए।ऐसा ना करेंजन्माष्टमी के व्रत रखनेवाले एक दिन पहले से ही सदाचार का पालन करना चाहिए। जो यह व्रत भी नहीं करते हैं उन्हें भी इस दिन लहसुन, प्याज, बैंगन, मांस-मदिर, पान-सुपारी और तंबाकू से परहेज रखना चाहिए। व्रत रखने वाले मन में भगवान कृष्ण का ध्यान शुरू कर देना चाहिए और कामभाव, भोग विलास से खुद को दूर कर लेना चाहिए। साथ ही मूल, मसूरदाल के सेवन से भी दूर रहना चाहिए। मन में नकारात्मक भाव ना आने दें।

कृष्ण जन्माष्टमी पर बन रहा है बेहद दुर्लभ संयोग

भगवान विष्णु के आठवें अवतार कृष्णजी का जन्म भारत सहित दुनियाभर में बहुत धुमधाम से मनाया जाता है। इसबार कृष्ण जन्माष्टमी पर ठीक वैसा ही संयोग बना है, जैसा द्वापर युग में बाल गोपाल के रूप में भगवान धरती पर अवतार लिया था। इस संयोग को कृष्ण जयंती के नाम से जाना जाता है। ग्रंथो के अनुसार, भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि में आधी रात यानी बारह बजे रोहिणी नक्षत्र हो और सूर्य सिंह राशि में तथा चंद्रमा वृष राशि में हों, तब श्रीकृष्ण जयंती योग बनता है। ऐसा दुर्लभ संयोग बार-बार नहीं बनता है इसलिए भूलकर भी कुछ ऐसे काम नहीं करने चाहिए, जिसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ें।

किसी के साथ गलत व्यवहार ना करें - जन्माष्टमी का दिन पुण्य कार्य का है, इस दिन किसी के साथ भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए। गलत व्यवहार कभी किसी के साथ नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में गरीब या असहाय व्यक्ति को परेशान करने वाले को कभी माफ नही किया गया है। शनिदेव इस तरह के काम करनेवालों से जल्दी नाराज होते हैं।

वृक्ष को ना काटें - शास्त्रों में बताया गया है कि कृष्ण जन्माष्टमी के दिन घर में जितने भी सदस्य हैं, उनके नाम के वृक्ष लगाने चाहिए और हर रोज उनकी देखभाल करें। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। लेकिन भूलकर भी इस दिन वृक्ष नहीं काटने चाहिए।

वाद-विवाद ना करें - जन्माष्टमी का दिन मन को शांत रखें और ईश्वर का ध्यान करें। जन्माष्टमी के व्रत को व्रतराज भी कहा गया है, इस व्रत को करने से आपकी हर समस्या का समाधान हो जाता है। इसदिन भूलकर भी घर में वाद-विवाद नहीं करना चाहिए। इससे घर की लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं।

शारीरिक संबंध ना बनाएं - शास्त्रों में बताया गया है कि जन्माष्टमी के उपावस के एक दिन पहले या फिर उसी दिन स्त्री-पुरुष को प्रसंग से बचना चाहिए। इस दिन संबंध बनाना अशुभ और परलोक में कष्टकारी माना गया है। इस दिन शरीर, मन तथा बुद्धि में सामंजस्य बनाए रखना चाहिए।

देर तक ना सोएं - जन्माष्टमी का त्योहार साल में एक बार आता है, इस दिन को आप सोने में व्यर्थ करें। सुबह जल्दी उठकर भगवानजी की पूजा करनी चाहिए और मन में ईश्वर को याद करना चाहिए।

महिलाओं का करें सम्मान - भगवान कृष्ण की पत्नी रुक्मणी मां लक्ष्मी का रूप थीं। जिस घर में महिलाओं का सम्मान नहीं होता, वहां कभी भी माता लक्ष्मी वास नहीं करती। जिस घर में माता लक्ष्मी प्रसन्न हो जाएं वहां कभी किसी चीज की कमी नहीं होती।

तुलसी का पत्ता ना तोड़ें - भगवान विष्णु को तुलसी बहुत प्रिय है, भगवान के भोग में तुलसी का पत्ता अवश्य होना चाहिए। शास्त्रों में बताया गया है कि जन्माष्टमी के दिन सिर्फ भगवान के भोग के लिए तुलसी के पत्ते तोड़ने चाहिए। जो भी व्यक्ति बिना स्नान किए तुलसी का पत्ता तोड़ता है, उसकी पूजा कभी भी स्वीकार नही की जाएगी।

मांस-शराब का सेवन न करें- जन्माष्टमी के दिन विशेष संयोग बन रहा है। इस वजह से इस दिन मांस और शराब के सेवन से भी बचना चाहिए।''

कृष्ण स्मरण का महत्व

सकृन्मन: कृष्णापदारविन्दयोर्निवेशितं तद्गुणरागि यैरिह।
न ते यमं पाशभृतश्च तद्भटान स्वप्नेऽपि पश्यन्ति हि चीर्णनिष्कृता:॥

जो मनुष्य केवल एक बार श्रीकृष्ण के गुणों में प्रेम करने वाले अपने चित्त को श्रीकृष्ण के चरण कमलों में लगा देते हैं, वे पापों से छूट जाते हैं, फिर उन्हें पाश हाथ में लिए हुए यमदूतों के दर्शन स्वप्न में भी नहीं होते।

अविस्मृति: कृष्णपदारविन्दयो:
क्षिणोत्यभद्राणि शमं तनोति च।
सत्वस्य शुद्धिं परमात्मभक्तिं
ज्ञानं च विज्ञानविरागयुक्तम॥

श्रीकृष्ण के चरण कमलों का स्मरण सदा बना रहे तो उसी से पापों का नाश, कल्याण की प्राप्ति, अन्त: करण की शुद्धि, परमात्मा की भक्ति और वैराग्ययुक्त ज्ञान-विज्ञान की प्राप्ति आप ही हो जाती है।

पुंसां कलिकृतान्दोषान्द्रव्यदेशात्मसंभवान।

सर्वान्हरित चित्तस्थो भगवान्पुरुषोत्तम:॥

भगवान पुरुषोत्तम श्रीकृष्ण जब चित्त में विराजते हैं, तब उनके प्रभाव से कलियुग के सारे पाप और द्रव्य, देश तथा आत्मा के दोष नष्ट हो जाते हैं।

शय्यासनाटनालापीड़ास्नानादिकर्मसु।
न विदु: सन्तमात्मानं वृष्णय: कृष्णचेतस:॥

श्रीकृष्ण को अपना सर्वस्व समझने वाले भक्त श्रीकृष्ण में इतने तन्मय रहते थे कि सोते, बैठते, घूमते, फिरते, बातचीत करते, खेलते, स्नान करते और भोजन आदि करते समय उन्हें अपनी सुधि ही नहीं रहती थी।

वैरेण यं नृपतय: शिशुपालपौण्ड्र -
शाल्वादयो गतिविलासविलोकनाद्यै:।
ध्यायन्त आकृतधिय: शयनासनादौ
तत्साम्यमापुरनुरक्तधियां पुन: किम॥

जब शिशुपाल, शाल्व और पौण्ड्रक आदि राजा वैरभाव से ही खाते, पीते, सोते, उठते, बैठते हर वक्त श्री हरि की चाल, उनकी चितवन आदि का चिन्तन करने के कारण मुक्त हो गए, तो फिर जिनका चित श्री कृष्ण में अनन्य भाव से लग रहा है, उन विरक्त भक्तों के मुक्त होने में तो संदेह ही क्या है?

एन: पूर्वकृतं यत्तद्राजान: कृष्णवैरिण:।
जहुस्त्वन्ते तदात्मान: कीट: पेशस्कृतो यथा॥

श्रीकृष्ण से द्वेष करने वाले समस्त नरपतिगण अन्त में श्री भगवान के स्मरण के प्रभाव से पूर्व संचित पापों को नष्ट कर वैसे ही भगवद्रूप हो जाते हैं, जैसे पेशस्कृत के ध्यान से कीड़ा तद्रूप हो जाता है, अतएव श्रीकृष्ण का स्मरण सदा करते रहना चाहिए।

भगवान विष्णु हैं 'जल' के स्वामी

ब्रम्हपुराण में कहा गया है कि 'जल' विष्णु का निवास स्थान (अथवा जल ही उनका स्वरूप) है। विष्णु ही 'जल' के स्वामी हैं। इस कारण सदैव जल में पापहारी विष्णु का स्मरण करना चाहिए। सभी देवगण जल रूप हैं। पितृगण भी जल रूप ही हैं। इस कारण पितरों से अपनी भलाई की अपेक्षा करने वाले को जल में ही पितरों का 'तर्पण' करना चाहिए। रुद्रयामल तन्त्र के अनुसार जल के अधिपति श्री गणेश जी हैं।

वेदों में जल को एक महनीय देवता माना गया है। ऋग्वेद के चार स्वतंत्र सूक्तों में जल की देवता रूप में स्तुति की गयी है। इसके अतिरिक्त कई प्रकीर्ण सूक्तों के कतिपय मंत्रों में इनकी स्तुतियां प्राप्त होती हैं। साथ ही वाजसनेयी, काठक, कपिल, काण्व, तैत्तिरीय, मैत्रायणीय आदि संहिताओं के अतिरिक्त अथर्वण संहिता में भी जल देवता से संबंधित अनेक सूक्त तथा मंत्र भी उपलब्ध होते हैं। आचार्य यास्क ने जल देवता को मध्यम स्थानीय देवता मानकर प्रसिद्ध अप्-सूक्त की विस्तृत व्याख्या की है।

मनुष्य तथा अन्य प्राणियों के शरीर में जल का पर्याप्त भाग है और उसे पान किये बिना बहुत देर तक कोई जीवित नहीं रह सकता तथा मनुष्य की पवित्रता संबंधी शौच, स्नान, मार्जन, प्रक्षालन, देवपूजन आदि सभी क्रियाएं एकमात्र जल पर ही आलम्बित रहती हैं। संध्यादि कर्मों में स्नान, मार्जन, अघमर्षण आदि से सूर्यार्ध्य पर्यन्त जल का ही मुख्य प्रयोग होता है। कृषि, अन्नपाक और वस्त्र आदि प्रक्षालन की क्रियाओं में जल देवता ही मुख्य कारण हैं। नदी आदि तीर्थों तथा भूमि के भी अन्तर्भाग में जल ही व्याप्त है। इसीलिये सम्पूर्ण प्राणी जलाधार पर ही अधिष्ठित रहते हैं और मत्स्यादि जलचों के लिए तो जल देवता ही सब कुछ हैं। इसलिये इन्हें जगत का जीवन कहा गया है और कोई भी प्राणी इनके उपकारों का बदला नहीं चुका सकता। अत: जल देवता की जितनी भी पूजा उपासना की जाये अल्प ही है।

जल का एक नाम जीवन है। यह प्राणी के जीवन का आधार है। इस जल के अधिपति देवता वरुण हैं। वेद ने आदेश दिया है कि हम प्रतिदिन जलाधिपति वरुण की नित्य प्रार्थना इस प्रकार किया करें- 'हे दिव्य जलाधिपति वरुणदेव! आप हमारे स्नान और पान में सुख प्रदान करते रहें। यह जल हमारे रोगों का शमन करे और सारी भीतियों को भी भगाता रहे।' ऋग्वेद में भी आया है कि वरुण देवता के गृह जलीय होते हैं। विश्वकर्मा ने इनकी सभा जल के भीतर रहकर ही बनायी थी। वहां प्रह्लाद, बलि आदि दैत्य, वासुकि आदि नाग उनकी उपासना में रत रहते हैं। जल के साथ वरुण देवता के इस घनिष्ठ संबंध को सूचित करने के लिए शास्त्र ने इनके अम्बुद, अम्बुपति, अपाम्पति, जलाधिपति, यादसाम्भर्ता आदि बहुत-से नाम बताये हैं।

हरिवंश, भविष्यपर्व में वर्णन आता है कि उपयुक्त अवसर आने पर इनकी सहायता के लिए चारों ओर से समुद्र इनको घेरकर खड़े हो जाते हैं। नाग, कच्छप और मत्स्य भी इनको चारों ओर से घेरकर अपनी कर्तव्यनिष्ठा निभाते हैं। निरुक्त ने ऋग्वेद की एक ऋचा उद्धृत कर यह बताया है कि वरुण देवता मेघ मण्डल के जल में विचरण करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर पृथ्वी पर जल बरसाते हैं। ये निरन्तर मनुष्यों के कल्याण में लगे रहते हैं।

शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देवें अधिकारी, नशा के खिलाफ जनजागरूकता अभियान रखें जारी

संभाग आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

दुर्ग । संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने संभागीय कार्यालय के सभा कक्ष में विभिन्न विभागों के संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान, निर्माण कार्य, जलाशयों में पानी का भराव और प्राथमिक सहकारी समिति गठन के संबंध में जानकारी ली। संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि संभाग के अंतर्गत स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था बेहतर ढंग से हो, विद्यार्थियों को स्कूल से किसी प्रकार की शिकायतें न हो, व्यवस्था को बेहतर बनाने शिक्षा विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने संयुक्त संचालक शिक्षा को निर्देशित किया कि विभिन्न स्कूलों में निलंबित शिक्षकों को आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए उन्हें सेवा में पुनः बहल कर विद्यार्थियों की दर्ज संख्या के आधार पर स्कूलों में पदस्थ कर उनकी सेवाएं ली जाए। साथ ही विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों के प्रति बेहतर एवं अनुशासित ढंग से व्यवहार करने की समझाईश दी जाए।

संभाग आयुक्त ने नोडल अधिकारी उच्च शिक्षा को विभागीय समन्वय से स्कूलों एवं कालेजों में नशा के खिलाफ जनजागरूकता अभियान को जारी रखने निर्देशित किया। इस अभियान के तहत युवा वर्ग को नशे के खिलाफ सचेत किया जाए। उन्होंने सीजीएमएससी एवं निर्माण कार्य एजेंसी विभागों के स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर संबंधित विभाग को हैण्डओवर करने निर्देशित किया ताकि सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सकें। समीक्षा के दौरान क्रेडा विभाग के अधिकारी ने बताया कि संभाग अंतर्गत सौर सुजला योजना का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। विभिन्न स्थानों में 1300 सौर लैम्प लगाये जा चुके हैं। इसी प्रकार जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने बताया कि खपरी और मटियामोती जलाशय में जल भराव 100 प्रतिशत हो चुका है, वहीं तांदुला, खरखरा, मोहद सहित अन्य जलाशयों में 80 से 85 प्रतिशत जल भराव हुआ है।

संयुक्त आयुक्त सहकारिता ने अवगत कराया कि शासन के मंशानुरूप संभाग के प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्राथमिक सहकारी समिति बनायी जा रही है। अब तक मत्स्य, दुग्ध एवं वनोपज से संबंधित 1330 नवीन समिति बनायी जा चुकी है। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) पदुम लाल यादव एवं उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर सहित समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मोर गांव मोर पानी अभियान में महिलाओं की बड़ी पहल, श्रमदान से बनाए 3360 सोख्ता गड्ढे

महिलाओं ने अपने घरों से की बदलाव की शुरुआत

- ग्रे-वाटर के सुरक्षित प्रबंधन की दिशा में दुर्ग जिले में जनभागीदारी का अनूठा उदाहरण

दुर्ग । कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रे-वाटर यानी घरेलू गंदे पानी के सुरक्षित प्रबंधन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं एवं स्वच्छताग्राहियों द्वारा श्रमदान से 3360 सोख्ता गड्ढे (सोक पिट) का निर्माण किया गया है। अभियान का उद्देश्य घरों से निकलने वाले निस्तारित एवं गंदे पानी को गलियों, रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर खुले में बहने से रोकना है। इससे गांवों में गंदगी और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के साथ-साथ पानी के प्राकृतिक निस्तारण एवं भू-जल पुनर्भरण को भी बढ़ावा मिलेगा। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रे-वाटर के सुरक्षित प्रबंधन को लेकर जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जा रही है। महिलाओं द्वारा स्वयं आगे बढ़कर अपने घरों से इस अभियान की शुरुआत करना ग्रामीण समुदाय के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। इस पहल की खास बात है कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने 'नेतृत्व परिवर्तन और स्वयं से शुरुआत' की प्रेरणादायक थीम के साथ अपने घरों से ही अभियान की शुरुआत की। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरू किए गए इस अभियान को अपशिष्ट जल प्रबंधन सप्ताह के रूप में आगे बढ़ाया गया। महिलाओं ने संकल्प लिया कि यदि उनके घरों से निकलने वाला गंदा पानी खुले में बह रहा है, तो वे सबसे पहले अपने घर के आसपास सोख्ता गड्ढे का निर्माण करेंगी। इसके बाद अन्य ग्रामीण परिवारों को भी इसके लिए प्रेरित किया गया। अभियान पूरी तरह जनभागीदारी और श्रमदान पर आधारित है। स्वच्छताग्राहियों एवं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने आपसी सहयोग से घरों के आसपास लगभग 2 से 3 फीट गहरे गड्ढे तैयार किए। इनमें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ईंट, पत्थर और कंकड़ आदि सामग्री का उपयोग किया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में जिले ने हासिल की बेहतर प्रगति, 1 लाख 5 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में हुआ फसल बीमा

गत वर्ष की तुलना में लगभग 5 हजार हेक्टेयर की बढ़ोतरी

दुर्ग । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिले में खरीफ 2026 में 1 लाख 5 हजार 181 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों का बीमा कराया गया है। इस वर्ष की मौसमी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा बीमा कंपनी के सहयोग से जिले की ग्राम पंचायतों में सघन फसल बीमा अभियान चलाया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम मिले है। धान सिंचित क्षेत्र में 90 हजार 247 हेक्टेयर तथा धान असिंचित क्षेत्र में 13 हजार 862 हेक्टेयर क्षेत्र का बीमा हुआ है। इसके अलावा सोयाबीन में 1 हजार 45 हेक्टेयर तथा अरहर में 27 हेक्टेयर क्षेत्र बीमित हुआ है। सघन अभियान के परिणामस्वरूप खरीफ 2026 में धान सहित विभिन्न खरीफ फसलों के बीमा क्षेत्र में गत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गत वर्ष लगभग 1 लाख 186 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों का बीमा हुआ था, जबकि इस वर्ष 5 हजार हेक्टेयर अधिक अतिरिक्त क्षेत्र को फसल बीमा के दायरे में लाया गया है। खरीफ 2026 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत 3 लाख 44 हजार 682 ऋणी किसान के आवेदन एवं 5 हजार 600 अऋणी किसान के आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसके माध्यम से लगभग 89 हजार 316 किसानों ने अपनी फसलों का बीमा कराया है। इन किसानों की फसलों के बीमा के लिए कुल 13 करोड़ 40 लाख रूपए प्रीमियम राशि के रूप में बीमा कंपनी को प्राप्त हुई है। कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर किए गए व्यापक प्रचार-प्रसार, किसानों से सीधे संपर्क तथा बीमा कंपनी के मैदानी अमले के समन्वित प्रयासों से किसानों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रति जागरूकता बढ़ी है। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों और उनके फसल क्षेत्र को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाकर प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम से होने वाले संभावित फसल नुकसान के विरूद्ध किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है।

ओशो मित्र मंडल भिलाई-दुर्ग की नई कार्यकारिणी का गठन, संजय श्रीवास्तव लगातार दूसरी बार सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित

ओशो उपवन को मेडिटेटिव हब बनाने पर जोर, 21 सदस्यीय इनर सर्किल का भी हुआ गठन

भिलाई-3। ओशो उपवन, उम्दा रोड भिलाई-3 में 30 अगस्त 2026 को ओशो मित्र मंडल भिलाई-दुर्ग की कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया सर्वसम्मति से संपन्न हुई। चुनाव अधिकारी डॉ. विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रक्रिया में मंडल के उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से संजय श्रीवास्तव को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष नियुक्त किया। कार्यकारिणी गठन के दौरान सदस्यों ने संगठन की आगामी गतिविधियों, ओशो उपवन के विकास तथा ध्यान एवं आध्यात्मिक गतिविधियों को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने को लेकर भी चर्चा की। सर्वसम्मति से अध्यक्ष के चयन के बाद कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों का भी चयन किया गया। नई कार्यकारिणी में इन्हें मिली जिम्मेदारी- ओशो मित्र मंडल भिलाई-दुर्ग की नवगठित कार्यकारिणी में– अध्यक्ष – संजय श्रीवास्तव- उपाध्यक्ष – खुशबु वर्मा- कोषाध्यक्ष – राजा जैन - सचिव – अशोक डोंगरे- सहसचिव – चेतन साहू- मीडिया प्रभारी – शंकर नंदीइसके अलावा कार्यकारिणी में पांच सदस्यों को मनोनीत किया गया। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का चयन उपस्थित सदस्यों की सर्वसम्मति से किया गया। ओशो उपवन को मेडिटेटिव हब बनाने की पहल- कार्यकारिणी गठन के साथ ही बैठक में ओशो उपवन को एक बेहतर 'मेडिटेटिव हब' के रूप में विकसित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। उद्देश्य है कि ओशो उपवन में ध्यान, मेडिटेशन, आत्मचिंतन और ओशो की विचारधारा से जुड़ी गतिविधियों को नियमित एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सके। इसके साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और भविष्य की योजनाओं पर प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए 21 सदस्यीय इनर सर्किल का भी गठन किया गया।

सेमरिया की समस्या पर कलेक्टर की नजर, खबर के बाद तत्काल स्वीकृत हुए दो निर्माण कार्य

दुर्ग । जिले के जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत ग्राम सेमरिया में सड़क एवं आवागमन की समस्या को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अभिजित सिंह ने त्वरित समाधान का आश्वासन देते हुए जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुबे ने जनपद पंचायत धमधा से आवश्यक निर्माण कार्यों का प्राकलन प्राप्त किया। प्राकलन के परीक्षण एवं निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद ग्राम सेमरिया में दो निर्माण कार्यों के लिए कुल 12.05 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत कार्यों में 8.48 लाख की लागत से पुल-पुलिया निर्माण तथा 3.57 लाख की लागत से मिट्टी-मुरूम सड़क निर्माण शामिल है। दोनों कार्यों के पूरा होने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बारिश के दौरान जल निकासी एवं सड़क संपर्क से जुड़ी समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासनिक स्वीकृति के बाद तकनीकी सहायक, सरपंच सुदामनी साहू, रोजगार सहायक एवं पंचायत सचिव की उपस्थिति में स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए तत्काल कार्य प्रारंभ कराने की कार्रवाई की गई। इस अवसर पर सरपंच सुदामनी साहू एवं ग्रामीण देवेन्द्र सोनी तथा बहलराम ने कार्यों की स्वीकृति एवं तत्काल कार्रवाई के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिलने और कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया शुरू होने पर ग्रामीणों में खुशी का माहौल रहा।

हथखोज की स्टील इंफा सॉल्यूशन कंपनी में प्राणांतक हादसा, जांच में मिली गंभीर सुरक्षा खामियां

दुर्ग । हथखोज स्थित मेसर्स स्टील इंफा सॉल्यूशन कंपनी लिमिटेड में 19 अगस्त 2026 को हुई प्राणांतक दुर्घटना के बाद औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर प्राथमिक जांच की गई। हादसे में सीएनसी हेल्पर राजेश कुमार निर्मलकर (40 वर्ष) की मृत्यु हुई थी। 20 अगस्त को सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, दुर्ग के साथ विभागीय अधिकारियों ने कारखाना पहुंचकर दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कारखाना प्रबंधन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्राथमिक जांच में कारखाना प्रबंधन की ओर से कई गंभीर सुरक्षा खामियां सामने आई। जांच में पाया गया कि क्रेन का संचालन सक्षम एवं अधिकृत व्यक्ति से कराने के बजाय अनस्किल्ड वर्कर से कराया जा रहा था। क्रेन के संचालन, रखरखाव, पर्यवेक्षण एवं प्रशिक्षण में निर्धारित सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि आई-बीम, क्रेन की चेन एवं अन्य संबंधित उपकरणों का उचित रखरखाव और नियमित निरीक्षण नहीं किया गया था। क्रेन की चेन में लगे हुक में आवश्यक सेफ्टी लैच/सेफ्टी कैच भी उपलब्ध नहीं पाया गया, जिससे भार के अनियंत्रित रूप से निकलने की संभावना बनी हुई थी। जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि 24 जनवरी 2026 को इसी कारखाने में ईओटी क्रेन संचालन के दौरान एक अन्य प्राणांतक दुर्घटना घटित हुई थी। इस मामले में कार्यालय द्वारा न्यायालय में अभियोजन प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद क्रेन संचालन एवं रखरखाव में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाना गंभीर विषय पाया गया। विभागीय जांच में क्रेन संचालन के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, श्रमिकों के प्रशिक्षण, पर्यवेक्षण, निरीक्षण एवं सुरक्षा उपकरणों की जांच-परीक्षण व्यवस्था में भी कमियां पाई गई।उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा एवं कारखाना निरीक्षक से प्राप्त जानकारी अनुसार श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाओं को ध्यान में रखते हुए उपजीविका जन्य सुरक्षा।

राधिका नगर में निगम की चालानी कार्रवाई, नियमों का उल्लंघन करने वालों से 8,700 वसूले

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार जोन क्रमांक-01, वार्ड क्रमांक-07 राधिका नगर क्षेत्र में स्वच्छता एवं नगर निगम के नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गीला एवं सूखा कचरा पृथक नहीं रखने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने, डस्टबिन नहीं रखने, अनुज्ञप्ति लाइसेंस संबंधी नियमों का पालन नहीं करने तथा नाली में अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान सत्यम चाय नाश्ता से सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 700, शाह बुद्धिन किराना स्टोर से ?400, कुसुम जनरल स्टोर से 500 तथा अनिल इडली डोसा सेंटर से 500 का जुर्माना वसूला गया।

वहीं बार्बर हेयर कटिंग एवं अनिल डोसा सेंटर में डस्टबिन नहीं पाए जाने पर क्रमशः 400 एवं 200 की चालानी कार्रवाई की गई। इसके अलावा सांझ रेस्टोरेंट से अनुज्ञप्ति लाइसेंस संबंधी कार्रवाई के तहत 5,000 तथा सुशील मुखर्जी से नाली में अतिक्रमण पाए जाने पर 1,000 का जुर्माना वसूला गया। इस प्रकार निगम की टीम द्वारा कुल 8,700 की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई।

निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि गीले एवं सूखे कचरे को अलग.अलग रखें, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें, प्रतिष्ठान में डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें तथा निगम के नियमों का पालन करें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

तहसील साहू संघ पाटन का तीज महोत्सव 6 सितंबर को, महिलाओं के लिए होंगे विविध आयोजन

- महिला आयोग अध्यक्ष सहित प्रदेश और जिला स्तर के जनप्रतिनिधि सहित सामाजिक पदाधिकारी होंगे शामिल

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन के संयोजन में महिला प्रकोष्ठ द्वारा पंचम वर्ष का तहसील स्तरीय तीज महोत्सव 6 सितंबर 2026, रविवार को साहू सदन पाटन में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज की मातृशक्ति सहित उनके परिवारों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे भक्त माता कर्मा की आरती-पूजा से होगी। इसके पश्चात सुबह 10:30 बजे तीज उत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, फुगड़ी प्रतियोगिता, कर्मा माता की रंगोली से चित्रकला प्रतियोगिता, व्यंजन की बगिया, समूह नृत्य, नाट्य प्रदर्शन एवं तीज क्वीन प्रतियोगिता सहित विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे। दोपहर 1 बजे अतिथियों का आगमन, स्वागत एवं उद्बोधन होगा। शाम 5 बजे पुरस्कार वितरण एवं कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. ममता साहू, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग, छत्तीसगढ़ शासन होंगी। प्रमुख अतिथि रमशीला साहू, पूर्व कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, जबकि विशिष्ट अतिथि नंदलाल साहू, अध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिव्या कलिहारी, संयोजिका महिला प्रकोष्ठ, प्रदेश साहू संघ करेंगी। इसके अलावा कार्यक्रम में अतिथि वक्ता शिल्पा साहू, सहसंयोजिका महिला प्रकोष्ठ, प्रदेश साहू संघ तथा विशेष अतिथि कल्पना नारद साहू, सभापति जिला पंचायत दुर्ग, चंद्रिका साहू प्रदेश कार्यकारणी सदस्य, मंजू साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग, ललेश्वरी साहू संयोजिका जिला साहू संघ दुर्ग, दामिनी राकेश साहू जनपद सदस्य सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू, कार्यकारणी अध्यक्ष दिनेश साहू, उपाध्यक्ष डुलेश्वर साहू, विमला साहू,संगठन सचिव सुरेंद्र साहू, भूनेश्वरी, महासचिव महेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष गुमान साहू, महिला संयोजिका कोमिन साहू, युवा प्रकोष्ठ संयोजक डीजेंद्र साहू, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष गण गायत्री साहू, टेस राम साहू, रामनारायण साहू, पारखत साहू, किशन हिरवानी सहित अन्य पदाधिकारियों ने समाज की मातृशक्ति एवं परिवारजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर तीज महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

न्यायिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

भिलाई-3 में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय कैम्प कोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन

दुर्ग। नागरिकों के निकट न्याय को पहुंचाने तथा न्यायिक सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में आज भिलाई-3 में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय (कैम्प कोर्ट-अतिरिक्त बैठक) का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर ने माननीय श्री न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी, पोर्टफोलियो न्यायाधीश, जिला दुर्ग की गरिमामयी उपस्थिति में भिलाई-3 स्थित जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय (कैम्प कोर्ट-अतिरिक्त बैठक), जिला दुर्ग का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह उद्घाटन भिलाई-3 क्षेत्र में न्यायिक सेवाओं की उपलब्धता को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय कैम्प कोर्ट-अतिरिक्त बैठक के प्रारंभ होने से क्षेत्र के नागरिकों को न्यायिक कार्यवाहियों के लिए अधिक सुविधाजनक एवं निकटस्थ न्यायिक मंच उपलब्ध होगा। उद्घाटन तत्पश्चात् माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति ने अपने उद्बोधन में न्यायिक सेवाओं के विस्तार से जोड़ते हुए अपने विचार व्यक्त किए। भिलाई-3 में न्यायिक सुविधाओं का यह विस्तार न्याय वितरण प्रणाली में सुगमता, पहुंच एवं नागरिक-केंद्रित न्याय की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक कदम है। विशेष रूप से, परिवार न्यायालय कैम्प कोर्टदृअतिरिक्त बैठक के प्रारंभ होने से पारिवारिक विवादों से संबंधित मामलों में संलग्न पक्षकारों को स्थानीय स्तर पर न्यायिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।कार्यक्रम का शुभारंभ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गणमान्य अतिथियों के आगमन के साथ हुआ। तत्पश्चात श्री के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भिलाई-तीन एक महत्वपूर्ण एवं तीव्र गति से विकसित हो रहा क्षेत्र है, जहां बढ़ती हुई जनसंख्या तथा विविध प्रकार की विधिक आवश्यकताएं हैं। समर्पित न्यायालयों की स्थापना के पीछे की परिकल्पना एवं मार्गदर्शक विचार माननीय मुख्य न्यायाधिपति के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से अत्यधिक प्रेरित रहे हैं। अतः भिलाई-तीन में न्यायालयों की स्थापना, अधिक सुगम, उत्तरदायी एवं नागरिक-केंद्रित न्याय वितरण प्रणाली के संबंध में माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय की परिकल्पना का प्रतिबिंब है।

वर्चुअल उद्घाटन के तत्काल पश्चात् भिलाई-3 में प्रारंभ किए जा रहे जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय (कैम्प कोर्ट-अतिरिक्त बैठक) से संबंधित एक संक्षिप्त वीडियो प्रदर्शित किया गया। वीडियो के माध्यम से प्रस्तावित न्यायिक सुविधा तथा उसकी प्रकृति की एक झलक उपस्थितजनों के समक्ष प्रस्तुत की गई। यह प्रस्तुति केवल एक नई न्यायिक सुविधा के संबंध में जानकारी मात्र नहीं थी, बल्कि यह न्याय वितरण प्रणाली को लोगों के और अधिक निकट लाने की दिशा में एक नई शुरुआत का दृश्यात्मक परिचय भी बनी। कार्यक्रम के अंत में, श्रीमती सुमन एक्का, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, दुर्ग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने माननीय मुख्य न्यायाधिपति, न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी संबंधित व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि भिलाई-3 में इस नवीन न्यायिक सुविधा का प्रारंभ ÷न्याय को लोगों के और निकट लाने÷ की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल न्यायिक अधोसंरचना के विस्तार को प्रतिबिंबित करती है, बल्कि बदलते समय के अनुरूप एक सुचारु, सुगम एवं नागरिक-केंद्रित न्याय वितरण प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 11 सितम्बर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग एवं शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 11 सितम्बर 2026 को शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक रोजगार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस मेले हेतु निजी क्षेत्र के नियोजक जो अपने संस्थान में रिक्त पदों को इस रोजगार मेला के माध्यम से भरना चाहते हैं, वे 09 सितम्बर 2026 तक रिक्त पदों की जानकारी छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग को अधिसूचित करेंगे। छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से रिक्तियाँ प्रेषित करने के लिए नियोजकों का पोर्टल पर रोजगार मेला हेतु नियोक्त पंजीयन कराना अनिवार्य होगा जिसके लिए नियोक्ता का जीएसटी क्रमांक एवं डॉक्यूमेंट अपलोड करना आवश्यक होगा।

जिले में देशी/विदेशी मदिरा अहाता अनुज्ञप्तियों हेतु ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया प्रारंभ

दुर्ग । ज़िले के देशी/विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों से संलग्न अहाता समूह क्रमांक 18 दादर (चरोदा) में संलग्न सी.एस.-2 (ग-कम्पोजिट अहाता) दादर (चरोदा) एवं अहाता समूह क्रमांक 36 कुगदा कुम्हारी में संलग्न सी.एस.-2 (ग-कम्पोजिट अहाता) कुगदा कुम्हारी के लिये वर्ष 2026-27 के शेष अवधि हेतु ÷पहले आओ पहले पाओ÷ नीति के अंतर्गत ऑनलाईन निविदा के माध्यम से पुनर्व्यवस्थापन किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com